लखनऊ

शुक्रवार, 11 सितंबर, 203

वर्ष : 12 । अंक: 18

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

# आर्यावर्त क्रांति

जहां मान-सम्मान न मिले, वहां से चुपचाप हट जाना ही बुद्धिमानी है।

TODAY WEATHER

| DAY | NIGHT |
|---|---|
| 32° | 28° |
| Hi | Low |

## मोदी का बड़ा विजन : 2035 तक रतीय अंतरिक्ष स्टेशन और 2040 तक चंद्रमा पर भारतीय एस्ट्रोनॉट का लक्ष्य

**नई दिल्ली, एजेंसी।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दुनिया को अंतरिक्ष में भारत की अगली यात्रा में 'सह-यात्री' बनने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने देश की बढ़ती महत्वाकांक्षाओं का ज़िक्र किया, जिसमें 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाना और 2040 तक चंद्रमा पर भारतीय अंतरिक्ष यात्री को भेजना शामिल है। इंटरनेशनल स्पेस समिट को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत एक सुरक्षित, शांतिपूर्ण और टिकाऊ अंतरिक्ष क्षेत्र में विश्वास करता है, जो अंतरराष्ट्रीय कानून, बातचीत और बहुपक्षीय सहयोग पर आधारित हो। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा हम अंतरिक्ष के ऐसे क्षेत्र का समर्थन करते हैं जो सुरक्षित, महफ़ूज़, शांतिपूर्ण और टिकाऊ हो। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि अंतरिक्ष के क्षेत्र में वैज्ञानिक डेटा और तरक्की का फ़ायदा आखिरकार पूरी इंसानियत को मिलना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की अंतरिक्ष यात्रा इसी सोच को दिखाती है और इसमें भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष एजेंसी ने अपनी बेहतरीन कार्यक्षमता और कम लागत वाले मिशनों के लिए दुनिया भर में तारीफ़ हासिल की है, साथ ही भारत की अंतरिक्ष तकनीकें और अंतरराष्ट्रीय साझेदारियां भी तेज़ी से दुनिया के बड़े हिस्से के काम आ रही हैं। मोदी ने कहा कि 34 देशों के 430 से ज़्यादा सैटेलाइट भारतीय रॉकेट से अंतरिक्ष में भेजे गए हैं। उन्होंने ग्लोबल स्पेस सेक्टर में भारत के एक अहम खिलाड़ी के तौर पर उभरने पर ज़ोर दिया। भारत की हालिया कामयाबियों का ज़िक्र करते हुए, मोदी ने चांद के साउथ पोल के पास भारत की ऐतिहासिक लैंडिंग और आदित्य-L1 मिशन की बात की, जो वैज्ञानिकों को सूरज के रहस्यों को समझने में मदद कर रहा है। उन्होंने भारत की इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन तक की यात्रा को देश की बढ़ती मानव अंतरिक्ष उड़ान की महत्वाकांक्षाओं में एक और अहम पड़ाव बताया। प्रधानमंत्री ने साफ़ किया कि भारत की महत्वाकांक्षाएं लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत का लक्ष्य 2035 तक अपना स्पेस स्टेशन बनाना और 2040 तक किसी भारतीय अंतरिक्ष यात्री को चंद्रमा पर भेजना है। मोदी ने कहा, 'हमारा मूल सिद्धांत साफ़ रहा है कि अंतरिक्ष का फ़ायदा पूरी मानवता तक पहुँचना चाहिए। प्रधानमंत्री ने भारत के प्राइवेट स्पेस सेक्टर की तेज़ी से हो रही तरक्की का भी ज़िक्र किया और कहा कि यह तेज़ी से आगे बढ़ रहा है और देश की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं में एक नया आयाम जोड़ रहा है।

### संक्षेप

#### समरकंद में राघव चड्ढा ने उठाया महिलाओं के राजनीतिक अधिकारों का मुद्दा, बोले-सिर्फ वोट नहीं, शासन में भी मिले अधिकार

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने उज्बेकिस्तान के समरकंद में आयोजित 12वें इंटर-पार्लियामेंटरी यूनियन (आईपीयू) सम्मेलन में भारत की ओर से महिलाओं के राजनीतिक अधिकारों और राजनीतिक भागीदारी का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। सम्मेलन के एक सत्र में उन्होंने महिलाओं के राजनीतिक अधिकार सुनिश्चित करना विषय पर भारत का पक्ष रखा। इस दौरान उन्होंने कहा कि महिलाओं को केवल चुनाव में मतदान करने तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, बल्कि उन्हें निर्णय लेने और शासन चलाने की वास्तविक शक्ति भी मिलनी चाहिए। राघव चड्ढा ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत महिलाओं के विकास से आगे बढ़कर 'महिला नेतृत्व वाले विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी लगातार मजबूत हुई है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में महिलाओं की भूमिका पहले के मुकाबले कहीं अधिक प्रभावी हुई है। उन्होंने भारत में महिलाओं की बढ़ती राजनीतिक भागीदारी के आंकड़ों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश में महिला मतदाताओं की भागीदारी ने रिकॉर्ड स्तर हासिल किया है। इसके साथ ही, जमीनी स्तर पर करीब 14.5 लाख महिलाएं निर्वाचित प्रतिनिधि के तौर पर जिम्मेदारी संभाल रही हैं। उन्होंने इसे भारत के लोकतंत्र में महिलाओं की बढ़ती भूमिका का महत्वपूर्ण उदाहरण बताया। चड्ढा ने संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने की दिशा में किए जा रहे संवैधानिक प्रयासों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत में विधायिकाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की संवैधानिक दिशा तय की गई है। उनके मुताबिक, महिलाओं की भागीदारी केवल संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उन्हें वास्तविक निर्णय लेने की शक्ति भी मिलनी चाहिए।

#### मुंबई एयरपोर्ट पर बनी मस्जिद को हटाने के निर्देश, किरीट सोमैया बोले- बर्दाश्त नहीं करेंगे लैंड जिहाद

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता किरीट सोमैया ने जानकारी दी है कि मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 के पास बनी मस्जिद को हटाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, उन्होंने कहा कि एक व्यवस्थित तरीके से मराठी मुंबई को मुस्लिम मुंबई बनाया जा रहा है। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए भाजपा नेता किरीट सोमैया ने आरोप लगाया कि एक व्यवस्थित तरीके से मराठी मुंबई को मुस्लिम मुंबई बनाया जा रहा है। पहले बांद्रा रेलवे टर्मिनस के पास भी बांग्लादेशी मुस्लिम आकर बस चुके थे। अब मुंबई एयरपोर्ट के वीआईपी गेट के नजदीक मस्जिद बना दी गई। उसमें 12 एयर कंडीशन और 30 पानी के नल हैं। उन्होंने कहा, मैंने उसके खिलाफ आवाज उठाई है। इस पर महाराष्ट्र सरकार की ओर से मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने मुंबई एयरपोर्ट कंपनी को चेतावनी दी है।

### चुनाव से पहले योगी का 'माय' दांव

## आंगनबाड़ी महिलाओं संग युथ को साधने की तैयारी, हुए बड़े ऐलान

आर्यावर्त क्रांति

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश सरकार ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के मानदेय में बढ़ोतरी की है। चुनाव से पहले योगी सरकार का ये बड़ा कदम माना जा रहा है। राज्य सरकार ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के राज्य के हिस्से में 4,000 रुपये प्रति माह और सहायिकाओं के राज्य के हिस्से में 2,000 रुपये प्रति माह की अतिरिक्त बढ़ोतरी की गई है। इस बदलाव के बाद, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को कुल 12,000 रुपये प्रति माह का मानदेय मिलेगा, जबकि सहायिकाओं को 6,000 रुपये प्रति माह मिलेंगे। बढ़ा हुआ मानदेय सितंबर 2026 से लागू होगा और इसका भुगतान अक्टूबर 2026 में किया जाएगा।

कैशलेस हेल्थकेयर की भी सुविधा

यह निर्णय आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की बढ़ती जिम्मेदारियों, शुरुआती बचपन की देखभाल और शिक्षा (ECCE) तथा पोषण सेवाओं में उनकी भूमिका, डिजिटल प्लेटफॉर्म के बढ़ते इस्तेमाल और विभिन्न विभागीय योजनाओं के साथ तालमेल को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। सरकार ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के लिए 5 लाख रुपये तक की कैशलेस हेल्थकेयर सुविधा की भी घोषणा की है। इन उपायों को राज्य भर में बच्चों और माताओं के कल्याण की सेवाओं में लगे हज़ारों फ्रंटलाइन वर्कर्स के लिए एक बड़े फ़ायदे के तौर पर देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने स्मार्टफ़ोन और रियल-टाइम डेटा के ज़रिए आंगनवाड़ी केंद्रों को स्मार्ट बनाने की योजना की भी घोषणा की।

### आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की ज़िम्मेदारियाँ

उत्तर प्रदेश में, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और हेल्पर गाँव और मोहल्ले के स्तर पर सरकार के पोषण और बाल विकास कार्यक्रमों को लागू करने में अहम भूमिका निभाते हैं। वे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और माताओं के साथ मिलकर काम करते हैं और उन्हें ज़रूरी पोषण, शुरुआती शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी मदद देते हैं। उनकी मुख्य ज़िम्मेदारियों में बच्चों को प्री-स्कूल शिक्षा और शुरुआती सीखने की गतिविधियाँ उपलब्ध कराना शामिल है। वे गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को पोषण, स्वास्थ्य देखभाल और माँ की सेहत के बारे में भी जानकारी देते हैं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और हेल्पर सरकारी योजनाओं के तहत मिलने वाला अतिरिक्त पोषण योग्य बच्चों और महिलाओं में बाँटते हैं। वे टीकाकरण अभियान, स्वास्थ्य जाँच और स्वास्थ्य देखभाल से जुड़ी दूसरी सेवाओं के दौरान आशा (ASHA) कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर काम करते हैं। एक और अहम ज़िम्मेदारी जन्म, बच्चों के पोषण और आंगनवाड़ी केंद्रों से जुड़े रिकॉर्ड रखना है, जिसमें रजिस्टर और डिजिटल डेटा शामिल हैं। वे गाँवों और मोहल्लों में पोषण, साफ़-सफ़ाई, स्वच्छता और स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता फैलाने का काम भी करते हैं।

### सीएम ने क्या कहा

अयोध्या में एक सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि जब 2017 में बीजेपी की सरकार बनी, तो आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को सिर्फ़ 3,000 रुपये का मानदेय मिलता था। उन्होंने कहा कि सरकार ने इसे परफॉर्मेंस-बेस्ड सिस्टम से जोड़ा और बढ़ाकर 8,000 रुपये कर दिया। अब इसे बढ़ाकर 12,000 रुपये किया जाएगा। हेल्पर्स का मानदेय भी पहले 1,500 रुपये से बढ़ाकर 4,000 रुपये किया गया था और अब इसे बढ़ाकर 6,000 रुपये किया जा रहा है। कोविड-19 के दौरान गांवों में लोगों की स्क्रीनिंग करने और संक्रमित लोगों की सेवा करने में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और हेल्पर्स ने ANM और आशा कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर अहम भूमिका निभाई।

### महिलाओं के ज़मीनी नेटवर्क पर फ़ोकस

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि चुनाव से पहले सरकार उन महिला कार्यकर्ताओं पर ध्यान दे रही है जिनकी ज़मीनी स्तर पर मज़बूत पकड़ है। सरकार ने पहले बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में काम करने वाले रसोइयों (जिनमें ज़्यादातर महिलाएं हैं) का मानदेय और सुविधाएं बढ़ाई थीं। अब सरकार का ध्यान आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं पर है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की ग्रामीण और शहरी दोनों इलाकों के घरों तक सीधी पहुँच होती है।

## लोकतांत्रिक कार्यक्रमों से क्यों डरती है सरकार? अखिलेश यादव बोले, विपक्ष की रैली रोकना तानाशाही

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**लखनऊ।** समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश सरकार पर बुलंदशहर में पार्टी की रैली के लिए मंज़ूरी न देने का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल किया, सरकार लोकतांत्रिक राजनीतिक कार्यक्रमों से इतनी डरी हुई क्यों है? और विपक्ष को दबाने का आरोप भी लगाया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यादव ने कहा कि SP के स्थानीय नेताओं ने इस कार्यक्रम के लिए मंज़ूरी पाने के लिए कई बार ज़िला मजिस्ट्रेट और दूसरे अधिकारियों से संपर्क किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन ने शुरू में तो पार्टी को भरोसा दिलाया था कि रैली के लिए मैदान की मंज़ूरी मिल जाएगी, लेकिन बाद में अधिकारियों ने सावन के महीने का हवाला देते हुए पार्टी से कार्यक्रम का समय बदलने को कहा। यादव ने कहा कि हमने अपना शेड्यूल बदला और एक नई तारीख दी। लेकिन, शेड्यूल बदलने के बाद भी प्रशासन ने मैदान के इस्तेमाल की इजाज़त नहीं दी। उन्होंने आगे दावा किया कि रिज़र्व पुलिस लाइन्स के मैदान में उनके हेलिकॉप्टर को उतारने की इजाज़त इसलिए नहीं दी गई क्योंकि वहां बहुत ज़्यादा पानी भरा होने की बात कही गई थी। यादव ने इस दावे को चुनौती दी और कहा कि उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से उस हेलिपैड की तस्वीरें और वीडियो मंगाए हैं, जहां पानी भरा होने की बात कही जा रही थी। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान वीडियो दिखाते हुए उन्होंने कहा कि ज़रा इस वीडियो को देखिए जिसमें 'पानी भरा' दिखाया गया है। क्या इसमें पानी भरा है? इसे देखकर तो ऐसा लगेगा जैसे यहां से गुज़रने के लिए नाव की ज़रूरत हो! यादव ने सरकार पर लोकतांत्रिक राजनीतिक गतिविधियों को दबाने का आरोप लगाया।

## गुरुग्राम में दिनदहाड़े बीच सड़क युवक का मर्डर, बदमाशों ने मारीं गोलियां, मचा हड़कंप

**गुरुग्राम।** गुरुग्राम में गुरुवार को दिनदहाड़े बीच सड़क एक युवक का मर्डर कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक पल्सर बाइक सवार 3 बदमाशों ने उस वक्त वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद बाजार में दशहत को माहौल पैदा हो गया।

बदमाशों ने वारदात को उस समय अंजाम दिया जब युवक किसी काम जा रहा था। पीछा करते हुए तीनों ने बदमाशों ने उसे रुकवा लिया और ताबड़तोड़ गोलियां मार दीं। इससे युवक घायल होकर वहीं गिर पड़ा। वारदात के बाद हमलावर फरार हो गए। अचानक हुई इस वारदात से बाजार में हड़कंप मच गया। रोड पर जाम लग गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और खून से लथपथ युवक को उठाकर सेक्टर-10 स्थित सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक की पहचान महेंद्र निवासी गांव बसई के रूप में हुई है। हत्या की सूचना मिलने के बाद उसके परिवार के लोग भी अस्पताल पहुंच गए है, जिनसे पुलिस जानकारी ले रही है।

### वैवाहिक बलात्कार मामले पर सुप्रीम कोर में जबरदस्त घमासान, Parliament के पाले में आई गेंद!

**नई दिल्ली, एजेंसी।** वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित करने की मांग पर चल रही बहस अब सुप्रीम कोर्ट के सामने उस बुनियादी सवाल तक पहुंच गई है, जहां अदालत को यह तय करना है कि क्या वह मौजूदा आपराधिक कानून की स्पष्ट सीमा को बदलकर एक नया अपराध लागू कर सकती है। बुधवार को सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने इसी सवाल पर गंभीर टिप्पणी की और केंद्र सरकार की इस दलील से सहमति जताई कि इस अत्यंत संवेदनशील और जटिल मुद्दे पर अंतिम फैसला संसद को करना चाहिए। हम आपको बता दें कि अनुच्छेद 20(1) स्पष्ट करता है कि किसी व्यक्ति को उस समय लागू कानून के उल्लंघन के अलावा किसी अपराध के लिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

## प्रियंका गांधी के नाम पर पर ठगी की कोशिश, कार्यालय ने जारी किया स्कैम अलर्ट

**नई दिल्ली, एजेंसी।** वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के नाम और उनके आवाज का इस्तेमाल कर साइबर ठग लोगों को ठगने की कोशिश कर रहे हैं। इसको लेकर प्रियंका गांधी के कार्यालय ने इंस्टाग्राम पर गुरुवार को स्कैम अलर्ट जारी किया है। कार्यालय ने बताया कि वॉट्सऐप, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रियंका गांधी की एआई से बनी फर्जी फोटो और आवाज वाले वीडियो वायरल हो रहे हैं। इन वीडियो में लोगों से पैसे निवेश करने के लिए कहा जा रहा है। कार्यालय ने साफ कहा है कि ये सभी वीडियो स्कैम हैं। लोगों से अपील की गई है कि ऐसे किसी भी लिंक पर क्लिक न करें और न ही निवेश करें। ऐसे पोस्ट को रिपोर्ट और ब्लॉक करें।

इससे पहले अगस्त महीने में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नाम पर भी ऐसा ही फर्जी वीडियो सामने आया था, जिसका सरकार ने खंडन किया था। उस वीडियो में दावा किया जा रहा था कि 22 हजार रुपए के शुरुआती निवेश पर हर हफ्ते साढ़े पांच लाख रुपए की कमाई होगी। यह एक निवेश योजना का प्रचार था। पीआईबी की फैक्ट चेक यूनिट ने जांच में पाया कि यह वीडियो पूरी तरह फर्जी है और एआई से तैयार किया गया है। पीआईबी ने स्पष्ट किया था कि वित्त मंत्री ने ऐसी किसी भी निवेश योजना या प्लेटफॉर्म का समर्थन नहीं किया है।

### वैवाहिक बलात्कार मामले पर सुप्रीम कोर में जबरदस्त घमासान, Parliament के पाले में आई गेंद!

**नई दिल्ली, एजेंसी।** वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित करने की मांग पर चल रही बहस अब सुप्रीम कोर्ट के सामने उस बुनियादी सवाल तक पहुंच गई है, जहां अदालत को यह तय करना है कि क्या वह मौजूदा आपराधिक कानून की स्पष्ट सीमा को बदलकर एक नया अपराध लागू कर सकती है। बुधवार को सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने इसी सवाल पर गंभीर टिप्पणी की और केंद्र सरकार की इस दलील से सहमति जताई कि इस अत्यंत संवेदनशील और जटिल मुद्दे पर अंतिम फैसला संसद को करना चाहिए। हम आपको बता दें कि अनुच्छेद 20(1) स्पष्ट करता है कि किसी व्यक्ति को उस समय लागू कानून के उल्लंघन के अलावा किसी अपराध के लिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

## आकाश आनंद अब बसपा से पूरी तरह आजाद, मायावती ने अपने भतीजे को किया पार्टी से निष्कासित

आर्यावर्त क्रांति

**लखनऊ।** बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती ने पूर्व राज्यसभा सांसद अशोक सिद्धार्थ के राजनीति से संन्यास के बाद अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। उन्होंने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घोषणा की कि आकाश आनंद को पार्टी से पूरी तरह से मुक्त किया गया है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, आकाश आनंद को पार्टी और मूवमेंट के वास्तविक हित व इससे जुड़े अपने करियर की परवाह कम, जबकि रिश्ते-नातों आदि का मोह अधिक है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आकाश आनंद डबल माइंड होकर फिर बीएसपी पार्टी और मूवमेंट का भला कैसे कर सकते हैं? मायावती ने लिखा, पार्टी के लोगों को यही बेहतर लगता है कि उन्हें (आकाश आनंद) पहले दिनांक 3 सितंबर को जिस प्रकार से पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक के अति-महत्वपूर्ण पद की सभी अहम जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया था। उसी प्रकार अब उन्हें पार्टी में भी आज से पूरी तरह से आजाद कर दिया जाए। अतः आकाश आनंद पार्टी में अब स्वतंत्र रहना चाहते हैं तो वे स्वतंत्र हैं। अब इनको पार्टी से पूरे तौर से मुक्त कर दिया गया है।

मायावती ने लिखा, आकाश आनंद की ओर से भी अपने करियर से अधिक अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के प्रति इस हद तक लगाव कायम है कि उन्होंने बीएसपी प्रमुख के सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर तत्सम्बंधी पोस्ट को रिपोस्ट करना भी उचित नहीं समझा। हालांकि यह पोस्ट उनके ही सकारात्मक व भलाई के लिए था।

उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा, वह (आकाश आनंद) बीएसपी प्रमुख के एक्स पर पोस्ट को रिपोस्ट करके अपनी वफादारी का सबूत देने का प्रयास करते रहे हैं। इससे भी यही लगता है कि अशोक सिद्धार्थ और आकाश आनंद दोनों को पार्टी और मूवमेंट की सफलता में कम व अपने निजी और पारिवारिक स्वार्थ का अधिक मोह है। इसके साथ ही, मायावती ने आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ के राजनीति से संन्यास के फैसले को सही कदम बताया।

## नदियां उतर रही हैं, लेकिन बाढ़ का दर्द बरकरार, घर लौटकर फिर जिंदगी बसाने की चुनौती

**पटना, एजेंसी।** बिहार में कई स्थानों पर अब नदियों का पानी धीरे-धीरे उतरने लगा है, लेकिन बाढ़ प्रभावित परिवारों की मुश्किलें अभी खत्म नहीं हुई हैं। बाढ़ प्रभावित इलाकों के लोग के कई परिवार तंबू-तिरपाल लगाकर खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। गांवों में पानी घुसने के बाद ये लोग घर का जरूरी सामान लेकर सुरक्षित जगह की तलाश में यहां पहुंचे हैं। अब इनके सामने सबसे बड़ा सवाल है कि पानी उतरने के बाद वे घर लौटेंगे तो वहां मिलेगा क्या और जिंदगी को फिर से कैसे शुरू करेंगे। मुंगेर के जिला मुख्यालय में पार्क और कलेक्ट्रेट कार्यालय के सामने कई परिवार तंबू-तिरपाल लगाकर खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। छोटे-छोटे तंबुओं में बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक दिन-रात गुजार रहे हैं। कई परिवारों के साथ उनके मवेशी भी हैं। ग्रामीणों के लिए पशु सिर्फ जानवर नहीं बल्कि उनकी रोजी-रोटी का बड़ा सहारा हैं। इसलिए घर छोड़ने की मजबूरी के बावजूद वे अपने मवेशियों को साथ लेकर सुरक्षित स्थान तक पहुंचे हैं। यही कुछ स्थिति पटना के मरीन ड्राइव की है। जहां बाढ़ पीड़ति अपना घर छोड़कर पहुंचे हैं। मुंगेर के जिला मुख्यालय में रह रहे ग्रामीण मुनेश्वर ने अपनी परेशानी बताते हुए कहा कि घर में पानी घुसने के बाद जरूरी सामान लेकर यहां आना पड़ा। अभी तो किसी तरह तंबू में रह रहे हैं, लेकिन सबसे बड़ी चिंता यह है कि पानी उतरने के बाद घर लौटेंगे तो घर की क्या हालत होगी। परिवार को फिर से बसाना आसान नहीं होगा। मरीन ड्राइव पर आसरा लिए एक ग्रामीण ने कहा कि बच्चों की पढ़ाई रुक गई है और घर में रखा सामान भी बर्बाद होने की चिंता है। मवेशियों के लिए चारा जुटाना भी मुश्किल है। पानी उतरने के बाद घर की सफाई, मरम्मत और रोजी-रोटी शुरू करने के लिए मदद की जरूरत पड़ेगी। तिरपाल के नीचे रहना इन परिवारों के लिए आसान नहीं है। बारिश होने पर तंबू में पानी आने का डर रहता है। तेज हवा में तिरपाल उड़ने की चिंता बनी रहती है। रात में जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा भी लोगों को परेशान करता है। छोटे बच्चों और बुजुर्गों के लिए परिस्थितियां और कठिन हैं। खाने-पीने का सामान, कपड़े और बिस्तर सुरक्षित रखना भी चुनौती बना हुआ है। इन बाढ़ पीड़तिों का कहना है कि हमारी असली चिंता नदी का पानी उतरने के बाद शुरू होगी। जिस घर के आंगन में बच्चों की आवाजें गूंजती थीं।

# यूपी में पांच की मौत: 'धमाका हुआ और...', रोडवेज की रफ्तार से बिखरे परिवार, शादी के कार्ड बांटने निकले थे साजिद

आर्यावर्त संवाददाता

**मुजफ्फरनगर।** मुजफ्फरनगर के बड़ौत मार्ग पर भैसाना गांव में हादसे की वजह रोडवेज की रफ्तार रही। बड़ौत से निकलते ही बस को तेज दौड़ाया गया। बुढ़ाना से निकलते ही चालक ने ईको से आगे निकलने के चक्कर में रफ्तार बढ़ा दी। रफ्तार में रोडवेज जीत गई लेकिन हादसे में दो बाइक पर सवार पांच जिंदगियां हार गई। अपनों का इंतजार कर रहे बेबस परिवार आंसू बहा रहे हैं।

बड़ौत डिपो से मुजफ्फरनगर के लिए रोडवेज बस दोपहर दो बजे 32 यात्रियों को लेकर चली थी। लगभग पौने तीन बजे बस बुढ़ाना पहुंची। अधिकतर सवारियां बुढ़ाना में ही उतर गई थी। यहां से बस में मुजफ्फरनगर के लिए 17 यात्री सवार हुए।

भैसाना तक पहुंचने में परिचालक ने सात सवारियों के टिकट ही बने थे। इस बीच रोडवेज चालक ने आगे चल रही ईको को ओवरटेक करने के चक्कर में रफ्तार बढ़ा दी। काफी दूर तक रोडवेज और ईको बराबर चलते रहे। बस आगे निकली लेकिन एन वक्त पर सामने की तरफ से आ रही दो बाइकों में टक्कर मार दी। हादसा होते ही जोर का धमाका हुआ। बस में सवार यात्री चीख पुकार मचाने लगे।

भैसाना के अनवार ने बताया कि वह अपनी चारपाई पर बैठे हुए थे। दूर से ही बस अनियंत्रित नजर आई। बाइकों में टक्कर मारने के बाद चालक ने बस को एक साइड में रोका और उतरकर भाग गया। यात्रियों ने बताया कि चालक बड़ौत से ही तेज रफ्तार से चल रहा था। कई बार दूसरे वाहनों से टकराने से भी बचा।

### कांपने लगी सवारियां... मदद के लिए आया भैसाना

हादसे के बाद बस में सवार यात्री कांपने लगे। जोर का धमाका हुआ तो इधर-उधर खड़े लोगों की नजर भी घटनास्थल पर गई। राहगीरों ने अपने वाहन रोक लिए। भैसाना में अपने घरों के पास खड़े लोगों ने शोर मचाया। गांव के सैकड़ों लोग एकत्र हो गए। पुलिस और एंबुलेंस को कॉल की गई। इस बीच चालक बस को रोककर फरार हो गया। बस के यात्री नीचे उतरे। भयावह हादसे से यात्री कांपने लगे। बस की टक्कर से बाइक सवार दूर जाकर गिरे चार

### ओवरटेक करते समय रोडवेज बस ने दो बाइक में मारी टक्कर, पांच की मौत

मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना में बड़ौत-मुजफ्फरनगर मार्ग पर बुधवार को दोपहर में बड़ौत डिपो की रोडवेज बस ने आगे चल रहे ईको वाहन को ओवरटेक करने के दौरान विपरीत दिशा से आ रही दो बाइकों में टक्कर मार दी। बाइक सवार उछलकर दूर जा गिरे। एक बाइक पर सवार बागपत के पिता-पुत्री समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

कांधला के चचेरे भाइयों को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। मरने वाले ईंट भट्ठों पर मजदूरी करते थे। रोडवेज की बस बड़ौत से मुजफ्फरनगर के लिए चली थी। दोपहर में 3:15 बजे बुढ़ाना से निकलते ही भैसाना गांव के पास चालक ने आगे चल रहे वाहन को ओवरटेक करने का प्रयास किया। तेज रफ्तार होने के कारण बस अनियंत्रित हो गई और सामने से आ रहे बाइक सवारों को टक्कर मार दी।

हादसे के बाद बाइक सवार उछलकर मार्ग के किनारे के खेतों में जा गिरे। कई दोपहिया वाहन चालकों ने किसी तरह इधर-उधर वाहन दौड़ाकर जान बचाई। हादसे के बाद कई लोग मौके पर जमा हो गए। पुलिस भी मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। हादसे में एक बाइक पर सवार बागपत के दोघट थाना क्षेत्र के तमेलागढ़ी गांव निवासी फरमान (26), उनकी पुत्री सुहाना उर्फ अल्लो (03) और बहनोई बुढ़ाना के राजपुर गढ़ी निवासी मोमीन (25) की मौके पर ही मौत हो गई।

दूसरी बाइक पर सवार गंभीर घायल शामली के कांधला कस्बे के मोहल्ला खैल कलां निवासी साजिद (49) और इदरीश (67) को गंभीर हालत में जिला अस्पताल लाया गया लेकिन दोनों चचेरे भाइयों की उपचार के दौरान मौत हो गई। एसपी देहात अक्षय संजय महाडीक, एसपी यातायात अतुल कुमार चौबे ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। सीओ बुढ़ाना गजेंद्र कुमार ने बताया कि शवों को मोर्चरी भिजवा दिया गया है। बस को कब्जे में लिया गया है। चालक की तलाश की जा रही है।

### शादी के कार्ड बांटने निकले थे साजिद

कांधला निवासी साजिद की दो बेटियों की शादी 18 सितंबर को होनी है। बुधवार को वह अपने चचेरे भाई इदरीश के साथ कार्ड बांटने मुजफ्फरनगर आए थे, यहां से लौटते समय बुढ़ाना में हादसा हो गया।

### सोरम से लौट रहे थे बागपत के फरमान

बागपत के तमेलागढ़ी गांव के फरमान अपनी बेटी सुहाना और बहनोई मोमीन के साथ शाहपुर के सोरम गांव आए थे। दोपहर के समय रिश्तेदारी से लौटते समय परिवार भैसाना में हादसे का शिकार हो गया।

### श्री रानी सती दादी भादों मेला महोत्सव शुरू, निकली विशाल शोभा यात्रा

**सुल्तानपुर।** शहर में श्री रानी सती दादी भादों मेला महोत्सव 2026 का शुभारंभ गुरुवार को विशाल शोभा यात्रा के साथ हुआ। श्री रानी सती सालासर श्याम मंदिर सेवा ट्रस्ट, सीताकुण्ड के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय महोत्सव आज 10 और 11 सितंबर को मनाया जा रहा है। पहले दिन आज गुरुवार को दोपहर तीन बजे अजय मुरारका के निवास, पंत स्टेडियम के निकट से विशाल शोभा यात्रा निकाली गई। यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए निकली, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए हैं।

महोत्सव के दूसरे दिन शुक्रवार 11 सितंबर को कार्यक्रमों की श्रृंखला है। प्रातः आठ बजे मंगला आरती होगी। दोपहर 12 बजे से तीन बजे तक सवामनी प्रसाद का आयोजन है, जिसके सौजन्य सुधीर अग्रवाल, कुड़वार नाका हैं। सायं चार बजे से समाज की महिला शक्ति द्वारा श्री दादी जी का संकीर्तन किया जाएगा।

# उद्योग विभाग में अधिकारी गायब, फरियादी हाजिर का खेल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**सुल्तानपुर।** जिले के उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केंद्र में सरकारी कामकाज की तस्वीर सवाल खड़े करने वाली नजर आई। गुरुवार को जब मीडिया टीम जमीनी हकीकत जानने कार्यालय पहुंची तो उपायुक्त उद्योग नेहा सिंह कार्यालय में मौजूद नहीं मिलीं। कुर्सी खाली थी और फरियादी अपने काम के लिए अधिकारी का इंतजार करते नजर आए। मामला यहीं खत्म नहीं हुआ। उपायुक्त की मौजूदगी के बारे में जब कार्यालय में मौजूद कर्मचारियों से जानकारी मांगी गई तो जवाब एक नहीं, कई मिले। कोई उन्हें दौरे पर बताए जाने लगा तो कोई उनकी गैरमौजूदगी की वजह से ही अनजान नजर आया। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर सरकारी कार्यालय में अधिकारी की मौजूदगी का हिसाब भी क्या गोलमोल जवाबों के भरोसे चलेगा। दूर-दराज से आने वाले छोटे उद्यमियों और सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के लिए अधिकारी का कार्यालय में न मिलना महज असुविधा नहीं, बल्कि उनके समय और काम दोनों पर भारी पड़ सकता है। जिन योजनाओं के जरिए लोगों को स्वरोजगार और उद्योग के लिए सरकारी मदद मिलनी है, उन्हीं के दफ्तर में यदि अधिकारी से मुलाकात ही मुश्किल हो जाए तो उद्यम प्रोत्साहन की सरकारी मंशा पर सवाल उठना लाजिमी है। स्थानीय लोगों और विभागीय सूत्रों का दावा है कि उपायुक्त उद्योग की कार्यालय में अनुपस्थिति को लेकर पहले भी शिकायतें सामने आती रही हैं। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या उपायुक्त उद्योग का कार्यालय में नियमित बैठना सुनिश्चित है और यदि नहीं, तो उनके अनुपस्थित रहने का आधिकारिक कारण क्या है। शासन लगातार अधिकारियों को समय से कार्यालय पहुंचने और जनता की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने के निर्देश देता है। ऐसे में सुलतानपुर के उद्योग विभाग की यह तस्वीर सरकारी दावों और जमीनी हकीकत के बीच के अंतर को उजागर करती नजर आ रही है। अब निगाह जिला प्रशासन और विभागीय उच्चाधिकारियों पर है कि वे मामले की वास्तविकता की जांच कर यह स्पष्ट करेंगे कि उपायुक्त कार्यालय में क्यों नहीं थीं, उनकी अनुपस्थिति अधिकृत थी या नहीं और फरियादियों को अधिकारी से मिलने के लिए आखिर कितने चक्कर लगाने पड़ेंगे।

# 'सेनेटरी पैड यहां वहां फेंकती थीं इसलिए...'

## बाथरूम में नहाती छात्राओं का बना रही थी वीडियो, गोरखपुर में हॉस्टल वार्डेन की घिनौनी करतूत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**गोरखपुर।** उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले से छात्राओं की सुरक्षा और प्राइवेसी (निजता) में सेंध लगाने का एक बेहद गंभीर और सनसनीखेज मामला सामने आया है। शहर के कैंट थाना क्षेत्र अंतर्गत मोहद्दीपुर स्थित एक प्राइवेट गर्ल्स हॉस्टल के बाथरूम में हिडन मोबाइल कैमरा ऑन रखकर छात्राओं का नहाते और फ्रेश होते समय का वीडियो बनाने का मामला उजागर हुआ है। पुलिस ने छात्राओं की शिकायत पर हॉस्टल की महिला वार्डेन आरती के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, मोहद्दीपुर स्थित इस गर्ल्स हॉस्टल में कुल 20 कमरे हैं, जिनमें वर्तमान में करीब 26 छात्राएं रहकर अपनी पढ़ाई करती हैं। दो दिन पहले ही हॉस्टल में रहने आई एक नई छात्रा 8 सितंबर को जब फ्रेश होने के लिए हॉस्टल के कॉमन बाथरूम में गई, तो उसकी नजर अचानक वहां छुपाकर रखे गए एक एंड्रॉइड मोबाइल फोन पर पड़ी।

फोन का कैमरा ऑन था और उसका मुंह सीधे टॉयलेट की तरफ किया गया था। सतर्क छात्रा ने तुरंत अपने मोबाइल से उस छुपाए गए फोन का वीडियो रिकॉर्ड किया और बाहर आकर हॉस्टल की अन्य छात्राओं को इसकी जानकारी दी।

### डायल 112 पर दी सूचना, जांच में मिले छात्राओं के वीडियो

बाथरूम में कैमरा मिलने की बात फैलते ही हॉस्टल में रह रही छात्राओं के बीच हड़कंप मच गया और उन्होंने मौके पर भारी हंगामा शुरू कर दिया। छात्राओं ने तुरंत अपने परिजनों को इसकी जानकारी दी और 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस को बुलाया। मौके पर पहुंची कैंट थाना पुलिस ने आरोपी महिला वार्डेन आरती का मोबाइल फोन कब्जे में लेकर जांच की। चेकिंग के दौरान मोबाइल में कई छात्राओं के नहाते और फ्रेश होते समय के वीडियो मिले, जिसे पुलिस ने अपनी मौजूदगी में डिलीट कराया ताकि कोई कंटेंट लीक न हो सके।

### 'सेनेटरी पैड फेंकने से थी परेशान...' वार्डेन ने पुलिस को दी बेतुकी सफाई

पुलिस हिरासत में पूछताछ के दौरान आरोपी वार्डेन आरती ने अपना गुनाह छुपाने के लिए बेहद अजीबोगरीब सफाई दी। उसने पुलिस को बताया कि छात्राएं हॉस्टल के बाथरूम में इधर-उधर सेनेटरी पैड फेंक देती थीं, इसी को पकड़ने के लिए उसने मोबाइल फोन का कैमरा ऑन करके बाथरूम में छिपाकर रखा था। हालांकि, पुलिस और छात्राओं ने इस सफाई को सिरे से खारिज कर दिया है।

### एसपी सिटी का बयान: कैंट थाने में केस दर्ज

मामले में एसपी सिटी (SP City) निमिष पाटिल ने बताया कि मोहद्दीपुर के गर्ल्स हॉस्टल से छात्राओं की प्राइवेसी भंग करने का गंभीर मामला सामने आया है। छात्राओं द्वारा दी गई लिखित तहरीर के आधार पर बुधवार की शाम को आरोपी वार्डेन के खिलाफ कैंट थाने में सुसंगत धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और जब्त किए गए मोबाइल फोन को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा जा रहा है।

# गंभीर आरोप लगाकर परियोजना निदेशक ने दिया इस्तीफा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**सुल्तानपुर।** जिलें में पखवारे भर पहले शुरू हुए आरोप प्रत्यारोप के बीच सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद परियोजना निदेशक अशोक कुमार सिंह ने सरकारी नौकरी को अलविदा कहते हुए मुख्यमंत्री समेत विभागीय अधिकारियों को पत्र भेजा है। बता दे कि बीते 30 अगस्त को जिला विकास अधिकारी कार्यालय के लिपिक मनोज श्रीवास्तव व लेखाकार अमित श्रीवास्तव को ग्राम्य विकास विभाग से हटाने के लिए परियोजना निदेशक ने जिला विकास अधिकारी को पत्र लिखा था।03 दिन बाद पीडी ने पुनः उन्हें अपने कार्यालय से हटाते हुए अन्य लिपिक व लेखाकार को नियुक्त करने की मांग करते हुए डीडीओ गजेंद्र तिवारी को कड़ा पत्र लिखा था।लेकिन बाबुओं के सिस्टम में मजबूती के चलते उन्हें ग्राम्य विकास अभिकरण से हटवाने में पीडी नाकाम रहे।बुधवार को कार्यालय में डांस करते हुए पीडी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। जिसका संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह ने जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम गठित करके जांच करने का आदेश दे दिया। गुरुवार को जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह को पत्र लिखते हुए परियोजना निदेशक अशोक कुमार सिंह ने कहा कि शासन के निर्देश के अनुसार किसी भी पटल पर तीन वर्ष से अधिक समय तक नौकरी करने वाले कर्मचारी को स्थानांतरित कर देना चाहिए लेकिन मेरे बार बार अनुरोध के बाद जिला विकास अधिकारी गजेंद्र तिवारी व मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार सिंह द्वारा ग्राम्य विकास विभाग में 05 वर्ष से अधिक समय से अटैच मनोज श्रीवास्तव व अमित श्रीवास्तव को नहीं हटाया गया।एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा 02 माह पूर्व ही अपनी निधि का पटल मनोज श्रीवास्तव से हटाने का निर्देश दिया गया था लेकिन 02 माह बीत जाने के बाद भी मनोज श्रीवास्तव द्वारा व अमित श्रीवास्तव द्वारा चार्ज नहीं दिया गया।साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि इंदिरा आवास योजना 2014 में बंद हो चुकी है उसके बाद भी उस योजना के बैंक खाते में 72 लाख रूपये मौजूद है।जिसके लिए मेरे द्वारा इन बाबुओं को नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए लेकिन इनके द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई। इसके साथ ही स्थानीय यूट्यूबर पर आरोप लगाते हुए उन्होंने सशर्त अपने पदीय दायित्व से इस्तीफा दे दिया।जिसकी सूचना परियोजना निदेशक के द्वारा मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश, मुख्य सचिव यूपी, आयुक्त ग्राम्य विकास विभाग, अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग आयोग, अध्यक्ष पीडीएस एसोसिएशन, मंडलायुक्त अयोध्या व सीडीओ सुल्तानपुर को प्रतिलिपि के माध्यम से भेजी है।

# देशभर में कल से तीन दिन बंद रहेगा बैंक हड़ताल, बैंकिंग सेवाएं रहेंगी ठप्प

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**गोरखपुर।** बैंक प्रबंधन, वित्त मंत्रालय और यूनाइटेड फोरम आफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के बीच केंद्रीय श्रमायुक्त कार्यालय में दो दिनों से चल रही वार्ता विफल हो गई। इसके बाद 11 सितंबर को प्रस्तावित देशव्यापी बैंक हड़ताल तय हो गई है। ऐसे में शुक्रवार की हड़ताल की वजह से शनिवार और रविवार को साप्ताहिक अवकाश होने के कारण बैंक लगातार तीन दिन बंद रहेंगे। इससे जिले में करीब 500 करोड़ रुपये का बैंकिंग कारोबार प्रभावित होने की आशंका है। हड़ताल में स्टेट बैंक समेत जिले के सभी राष्ट्रीयकृत बैंकों के करीब 3000 अधिकारी-कर्मचारी शामिल होंगे। यूएफबीयू में एआइबीईए, एआइबीओसी, एनसीबीई, एआइबीओए, बीईएफआइ, आइएनबीओसी और आइएनबीईएफ समेत सात यूनियनें शामिल हैं। ये बैंकिंग कार्यबल के 90 प्रतिशत से अधिक का प्रतिनिधित्व करती हैं। यूएफबीयू गोरखपुर के संयोजक यूपीएन सिंह ने बताया कि इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआइ और एटीएम जैसी डिजिटल सेवाएं उपलब्ध रहने की उम्मीद है, लेकिन नकदी लेनदेन प्रभावित हो सकता है। ऑल इंडिया बैंक आफिसर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय सचिव डीएन त्रिवेदी ने बताया कि सार्वजनिक, निजी, विदेशी और ग्रामीण बैंकों के करीब आठ लाख अधिकारी-कर्मचारी हड़ताल में शामिल होंगे। यूएफबीयू की प्रमुख मांगों में पांच दिवसीय बैंकिंग, बैंक अधिकारियों के लिए प्रस्तावित पीएलआइ की समान योजना, आइडीबीआइ के विदेशीकरण पर रोक और पेंशन अपडेशन शामिल हैं। 28 से 30 सितंबर तक तीन दिन की हड़ताल भी प्रस्तावित है। मांगें नहीं मानी गईं तो अक्टूबर के अंत में अनिश्चितकालीन हड़ताल का प्रस्ताव है।

### अधिशासी अभियंता के खिलाफ सिविल डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ का प्रदर्शन जारी

**सुलतानपुर।** सिविल डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ, सिंचाई विभाग उत्तर प्रदेश ने अधिशासी अभियंता सतीश कुमार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए आंदोलन तेज कर दिया है। संघ ने गुरुवार को आंदोलन के चौथे दिन को जनजागरण दिवस के रूप में मनाया। संघ का आरोप है कि अधिशासी अभियंता द्वारा विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार, कदाचार व मनमानी की जा रही है। संघ ने कहा कि मामले की शिकायत पूर्व में उच्चाधिकारियों से की जा चुकी है, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। संघ ने यह भी आरोप लगाया कि आंदोलन को दबाने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया और पदाधिकारियों को गुमराह व भयभीत करने का प्रयास किया जा रहा है। संघ ने चेतावनी दी कि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन जारी रखा जाएगा।

## संक्षेप

### यूपीएसएसएससी का रिजल्ट जारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री का बेटा बना जूनियर असिस्टेंट

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) ने कनिष्ठ सहायक भर्ती का अंतिम चयन परिणाम बुधवार को जारी कर दिया है। परिणाम में जनपद सुलतानपुर के दूबेपुर ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम पंचायत हसनपुर के राजेश कुमार यादव एवं अमिता यादव के बेटे आदर्श यादव ने सफलता हासिल कर अपने परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। गौरतलब है कि आदर्श यादव की माता अमिता यादव ग्राम पंचायत में ही आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री के रूप में कार्यरत हैं। सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बीच तैयारी कर हासिल की गई यह सफलता अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणादायक मानी जा रही है। आदर्श ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने नाना- नानी डॉ. हरीराम यादव और अनारकली के साथ-साथ पूरे परिवार एवं इष्ट मित्रों को देते हुए कहा कि इन सबके सहयोग के बिना यह संभव नहीं था। उनकी उपलब्धि यह संदेश देती है कि मेहनत, लगन और निरंतर तैयारी के दम पर सीमित संसाधनों में भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

### 17 सूत्रीय मांगों को लेकर रोडवेज कर्मचारियों ने किया जनजागरण

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश रोडवेज कर्मचारी संघ के प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर गुरुवार को बस स्टेशन परिसर में शाखा सुल्तानपुर की ओर से कर्मचारियों की समस्याओं एवं 17 सूत्रीय मांग पत्र के समर्थन में जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कर्मचारियों को मांगों के प्रति जागरूक करते हुए आगामी आंदोलन की रूपरेखा बताई गई। संघ के अनुसार 16 सितंबर को क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय, परिवहन निगम अयोध्या धाम पर ज्ञापन तथा 21 सितंबर को परिवहन निगम मुख्यालय लखनऊ में धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन शाखा संरक्षक श्री वीसी शुक्ला ने किया। क्षेत्रीय अध्यक्ष सतीश चंद्र मिश्रा ने कर्मचारी मांगों पर प्रकाश डालते हुए उन्हें एकजुट होकर संघर्ष के लिए जागरूक किया। श्रमिक समाज कल्याण संघ के शाखा मंत्री मो. अनसार ने संगठन की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में सिद्धनाथ तिवारी, प्रतीक श्रीवास्तव, देवेंद्र मिश्रा, राम आशीष, लक्ष्मण प्रसाद, दिनेश सिंह, पवन कुमार पाण्डेय, संजीव कुमार, बीडीओ यादव, बैजनाथ, बलराम मिश्रा, तेजेंद्र मिश्रा, केशव पाण्डेय, दिनेश कुमार सरोज, सुरेश कुमार सरोज, अरविंद कुमार, ज्ञान तिवारी, खुशी सहित सैकड़ों कर्मचारी मौजूद रहे।

### भवानी शिवपुर में शिक्षा की जगह तकरार, गुरुजी पर स्कूल का माहौल बिगाड़ने का आरोप

सुल्तानपुर। शिक्षा का मंदिर कहे जाने वाले बल्दीराय ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय भवानी शिवपुर से एक हैरान करने वाली शिकायत सामने आई है। ग्राम पंचायत चकशिवपुर की प्रधान कमला ने खंड शिक्षा अधिकारी को पत्र देकर विद्यालय में तैनात सहायक अध्यापक इंद्रजीत की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। पत्र में प्रधान ने आरोप लगाया है कि सहायक अध्यापक का रवैया सहयोगात्मक नहीं बल्कि टकराव भरा है। विद्यालय प्रबंध समिति, रसोइया, सफाई कर्मी और साथी शिक्षकों से बेवजह विवाद कर वे रोजाना विद्यालय की शांति भंग करते हैं। वहीं शासन के महत्वपूर्ण कार्यक्रम प्रवेशोत्सव में बच्चों के तिलक लगाकर स्वागत जैसे निर्देशों का विरोध करना और शासकीय आयोजनों से दूरी बनाना उनकी नकारात्मक कार्यशैली को दर्शाता है। इससे भी अधिक चिंताजनक आरोप स्वच्छता और शिक्षण को लेकर हैं। शिकायत के अनुसार परिसर में सफाई के लिए आने वाले सफाईकर्मी के साथ अभद्र और अमर्यादित व्यवहार किया जाता है, जो शासन की स्वच्छ विद्यालय की परिकल्पना के विपरीत है। साथ ही कक्षा में बच्चों को जाति विशेष से जोड़कर शिक्षा देने का आरोप लगाया गया है, जिससे मासूम बच्चों में भेदभाव की भावना पनपने का खतरा है। इस पूरे मामले में जब खंड शिक्षा अधिकारी बल्दीराय से बात की गई तो उन्होंने बताया ग्राम प्रधान का शिकायती पत्र प्राप्त हुआ है। यह मामला गंभीर है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक से रिपोर्ट तलब की कर जांच कराकर जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर नियमानुसार आवश्यक विभागीय कार्रवाई की जाएगी। विद्यालय में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

# करोड़ों वर्ष पहले ज्वालामुखी और भूकंप के बीच बनते थे कोयले के भंडार

## बीएचयू और गुवाहाटी विश्वविद्यालय के शोध का निष्कर्ष

आर्यावर्त संवाददाता

**वाराणसी।** पूर्वी हिमालय के सियांग विंडो (अरुणाचल प्रदेश) क्षेत्र में करोड़ों वर्ष पुरानी भूवैज्ञानिक हलचलों को लेकर काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) और गुवाहाटी विश्वविद्यालय के विज्ञानियों ने साझा शोध में नए तथ्य उजागर किए हैं। 27 से 29 करोड़ वर्ष पुराने 'अर्ली पर्मियन' काल की 'भरेलीफार्मेशन' की चट्टानों का अध्ययन कर पृथ्वी के तत्कालीन वातावरण, जंगलों की आग और ज्वालामुखी सक्रियता का नया इतिहास सामने रखा है।

यह महत्वपूर्ण अध्ययन भूविज्ञान जगत की प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिका इंटरनेशनल जर्नल आफ अर्थ साइंसेज में प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ताओं की टीम में गुवाहाटी विश्वविद्यालय के डा. दीपज्योति बोरसाइकिया व डा. मौसमी गोगोई और बीएचयू के डा. गोविंद कुमार व डा. अमिय शंकर नायक सहित समेत छह शोधकर्ता शामिल हैं।

विज्ञानियों ने अत्याधुनिक पेट्रोग्राफिक (चट्टान संरचना), आइसोटोपिक और स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीकों का उपयोग कर पता लगाया है कि यह पूरा क्षेत्र कभी प्राचीन महाद्वीप गोंडवाना का उत्तरी छोर हुआ करता था। कार्बन के विशेष समस्थानिक दर्शाते हैं कि उस समय यहां ग्लोसोप्टेरिस नाम के विशाल प्रागैतिहासिक पौधों के घने जंगल थे।

चट्टानों में पाए गए विशेष कोयला तत्वों (इनर्टिनाइट और माइक्रिनाइट) से साबित होता है कि उस दौर में इन जंगलों में बार-बार विनाशकारी आग लगती थी, जिसके बाद जलमग्न दलदली क्षेत्रों में पीट (कोयले का प्रारंभिक रूप) का संचय होता था। आमतौर पर मानते हैं कि भारत के प्रायद्वीपीय क्षेत्रों (जैसे झारखंड या ओडिशा के गोंडवाना बेसिन) में कोयले की बहुत मोटी और स्थिर परतें पाई जाती हैं, लेकिन पूर्वी हिमालय का यह क्षेत्र उस समय बहुत अलग था।

यह क्षेत्र भूगर्भीय रूप से लगातार धंस रहा था और ज्वालामुखी विस्फोटों व भूकंपीय गतिविधियों के कारण जलस्तर तेजी से बदलता रहता था। इसी अस्थिरता की वजह से यहां आस्ट्रेलिया के सिडनी-बोवेन बेसिन की तरह ही पतली, लेकिन विशिष्ट कोयले की परतें बनीं। यह शोध हिमालय की उत्पत्ति और भारत के कोयला भंडारों के इतिहास को समझने में मदद करेगा।

विज्ञानियों ने जब चट्टानों की परिपक्वता और रमन सूचकांकों की जांच की तो अनोखी बात सामने आई। आमतौर पर जमीन में जितनी गहराई पर जाएं, गर्मी और दबाव के कारण चट्टानें उतनी ही परिपक्व होती हैं, लेकिन इस क्षेत्र में उल्टा पाया गया।

# 'पंडित गोविंद बल्लभ पंत ने स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर सुशासन और राष्ट्र निर्माण तक निभाई अहम भूमिका'

आर्यावर्त संवाददाता

**लखनऊ**। महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, देश के पूर्व गृहमंत्री और उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत की 139वीं जयंती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पंडित गोविंद बल्लभ पंत के स्वतंत्रता आंदोलन, राष्ट्र निर्माण और उत्तर प्रदेश के विकास में योगदान को याद करते हुए उनकी स्मृतियों को नमन किया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री पंडित गोविंद बल्लभ पंत की पावन जयंती है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार और प्रदेश की जनता की ओर से वह पंत जी की स्मृतियों को नमन करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उन्होंने कहा कि पंडित गोविंद बल्लभ पंत का जीवन देश की स्वतंत्रता, राष्ट्र निर्माण और जनसेवा के लिए समर्पित रहा। उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरणा देता रहेगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित गोविंद बल्लभ पंत महान अधिवक्ता होने के साथ-साथ प्रमुख स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भी थे। वर्ष 1925 में काकोरी ट्रेन कार्रवाई के बाद ब्रिटिश शासन ने क्रांतिकारियों के खिलाफ जो मुकदमे दर्ज किए थे, उनमें क्रांतिकारियों की मजबूती से पैरवी करने वाले महान नेताओं में पंडित गोविंद बल्लभ पंत प्रमुख थे। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लिया और देश को अंग्रेजी शासन से मुक्त कराने के संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 1937 में पंडित गोविंद बल्लभ पंत को उत्तर प्रदेश का प्रीमियर चुना गया था। बाद में उन्होंने पद से इस्तीफा देकर स्वतंत्रता आंदोलन में अपनी सक्रिय भूमिका जारी रखी। भारत छोड़ो आंदोलन सहित स्वतंत्रता संग्राम के विभिन्न बड़े आंदोलनों में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और देश की आजादी के लिए संघर्ष किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1947 में देश की आजादी के बाद पंडित गोविंद बल्लभ पंत उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री बने। उस समय वर्तमान उत्तराखंड भी उत्तर प्रदेश का हिस्सा था और प्रदेश का क्षेत्रफल तथा प्रशासनिक दायरा बहुत बड़ा था। ऐसे समय में पंत जी ने प्रदेश की व्यवस्था को सुशासन के मॉडल के रूप में स्थापित करने, आर्थिक उन्नयन को गति देने और समाज के प्रत्येक वर्ग के हितों के लिए कार्य करने का प्रयास किया। उन्होंने अनेक महत्वपूर्ण सुधारों को आगे बढ़ाया और उनके द्वारा प्रस्तुत भूमि सुधार की व्यवस्था भी महत्वपूर्ण रही।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पंडित गोविंद बल्लभ पंत ने मुख्यमंत्री के रूप में उत्तर प्रदेश के प्रशासन को नई दिशा देने के साथ सामाजिक और आर्थिक सुधारों पर भी जोर दिया। उनके कार्यकाल में किसानों और ग्रामीण समाज से जुड़े विषयों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। उन्होंने प्रशासन में जनहित और सुशासन को प्राथमिकता देते हुए उत्तर प्रदेश के विकास की मजबूत आधारशिला रखने का कार्य किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1954 में पंडित गोविंद बल्लभ पंत देश के गृहमंत्री बने। केंद्रीय गृहमंत्री के रूप में उन्होंने देश के सामने मौजूद अनेक जटिल चुनौतियों का सूझ-बूझ के साथ समाधान किया। उस समय देश के विभिन्न हिस्सों में भाषाई विवाद और सामाजिक विभाजन की परिस्थितियां उत्पन्न हो रही थीं। पंत जी ने इन चुनौतियों का गंभीरता और दूरदर्शिता के साथ सामना किया तथा राष्ट्रीय एकता और अखंडता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हिंदी को राजभाषा के रूप में प्रतिष्ठित करने में भी पंडित गोविंद बल्लभ पंत का महत्वपूर्ण योगदान रहा। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कुशल प्रशासक, अधिवक्ता और राष्ट्रसेवक के रूप में उनका जीवन देश और समाज के लिए समर्पण का उदाहरण है।

## संक्षेप

### बीबीएयू में खेल प्रतियोगिताओं की तैयारियों के लिए प्रशिक्षण शिविर 16 सितंबर से

**लखनऊ**। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के दौरान उत्तर एवं मध्य क्षेत्र तथा अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाले विद्यार्थियों की तैयारियों के लिए 16 सितंबर से विशेष प्रशिक्षण शिविर शुरू होगा। विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर लखनऊ और अमेठी स्थित उपकेंद्र के सभी पंजीकृत विद्यार्थी इस प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभाग कर सकेंगे।प्रशिक्षण शिविर का आयोजन खेलकूद अनुभाग के निदेशक प्रो. के.एल. महावर के निर्देशन में तथा खेलकूद अनुभाग के सहायक निदेशक डॉ. मनोज कुमार डडवाल के मार्गदर्शन में किया जाएगा। विभिन्न टीम और व्यक्तिगत स्पर्धाओं के पुरुष एवं महिला वर्ग के इच्छुक छात्र-छात्राओं के लिए प्रशिक्षण 16 सितंबर से शुरू होगा। प्रशिक्षण सत्र सोमवार से शनिवार तक प्रतिदिन दो पालियों में आयोजित किए जाएंगे। प्रात :कालीन सत्र सुबह 6 से 8 बजे तक तथा सायंकालीन सत्र शाम 4:30 से 6:30 बजे तक संचालित होगा। प्रशिक्षण का आयोजन एसएएस भवन के पीछे स्थित परेड मैदान में किया जाएगा।महिला विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से बीएमएसएसी परिसर में एरोबिक्स प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किया जाएगा।

### भूमि विवाद में रास्ते में रोककर मारपीट और जान से मारने की धमकी, मुकदमा दर्ज

**लखनऊ**। इटौंजा थाना क्षेत्र के ग्राम बीबीपुर में भूमि विवाद को लेकर एक व्यक्ति के साथ रास्ते में रोककर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित अंकित पाल पुत्र स्वर्गीय गया बख्श पाल निवासी ग्राम बीबीपुर ने नौ सितम्बर 2026 को थाने पहुंचकर विपक्षी पक्ष के खिलाफ तहरीर दी। पीड़ित के अनुसार वह इटौंजा बाजार जा रहा था, तभी रास्ते में विपक्षीगण ने उसे रोक लिया और भूमि विवाद को लेकर उसके साथ मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी।पुलिस ने तहरीर के आधार पर इटौंजा थाने में मुकदमा अपराध संख्या 133/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 61(2), 115(2), 351(3) और 127(2) में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने पीड़ित का चिकित्सीय परीक्षण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इटौंजा में कराया है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक नरेंद्र कुमार भारती को सौंपी गई है।पुलिस के अनुसार नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगातार प्रयास कर रही हैं। मामले में साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

### डीबीटी की धनराशि के निर्धारित उपयोग पर सख्ती, अभिभावकों की सहभागिता भी होगी सुनिश्चित

**लखनऊ**। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की शैक्षिक जरूरतों को पूरा करने के साथ ही अभिभावकों की सहभागिता को भी मजबूत कर रही है। इसी क्रम में शैक्षिक सत्र 2026-27 में कक्षा एक से आठ तक के विद्यार्थियों के लिए स्कूल ड्रेस, जूता-मोजा, स्वेटर, स्कूल बैग एवं स्टेशनरी के लिए प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से दी जा रही धनराशि का निर्धारित उद्देश्य में ही उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार संदीप सिंह ने कहा कि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण की धनराशि का निर्धारित सामग्री की खरीद में उपयोग होने से बच्चों की शैक्षिक जरूरतें पूरी होंगी और विद्यालय के प्रति उनका जुड़ाव मजबूत होगा।महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने कहा कि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण की धनराशि के निर्धारित उपयोग और सामग्री की पहुंच का विद्यालय स्तर पर सत्यापन सुनिश्चित कराया जा रहा है। सामग्री के नियमित उपयोग और संरक्षण के लिए अभिभावकों को जागरूक करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को इसके व्यापक प्रचार-प्रसार और प्रभावी अनुपालन के निर्देश दिए हैं।विभाग ने कहा है कि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण की धनराशि का उपयोग केवल निर्धारित सामग्री की खरीद में ही किया जाए। अभिभावकों को ऐसी सामग्री खरीदने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

### नए बिजली कनेक्शनों की गुणवत्ता जांचेगा यूपी पावर कारपोरेशन

**लखनऊ**। उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड ने प्रदेश के विद्युत वितरण निगमों में हाल में जारी किए गए नए बिजली कनेक्शनों की कार्य गुणवत्ता की जांच कराने का निर्णय लिया है। कारपोरेशन मुख्यालय में 19 अगस्त को हुई बैठक में नए कनेक्शनों में सामने आ रही तकनीकी कमियों पर गंभीर चिंता जताए जाने के बाद अब थर्ड पार्टी निरीक्षण एजेंसियों के माध्यम से इन कनेक्शनों का भौतिक निरीक्षण कराया जाएगा। इसके तहत विभिन्न क्षेत्रों से यादृच्छिक आधार पर 100 नए बिजली कनेक्शनों का निरीक्षण कराया जाएगा, जबकि कानपुर विद्युत आपूर्ति कंपनी क्षेत्र में 80 नए कनेक्शनों की जांच की जाएगी।उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड के निदेशक (वितरण) ज्ञानेंद्र धर द्विवेदी ने 9 सितंबर को पूर्वांचल, मध्यांचल, दक्षिणांचल, पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम तथा कानपुर विद्युत आपूर्ति कंपनी के निदेशकों को पत्र भेजकर इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

# कालीचरण पीजी कालेज में प्रबोधन कार्यक्रम-2026 आयोजित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**लखनऊ**। कालीचरण पी0जी0 कॉलेज, लखनऊ में बृहस्पतिवार को 'ओरिएंटेशन एंड इनवेस्टीचर सेरेमनी' प्रबोधन-2026 कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय के प्रबंधक इं. वी. के. मिश्र की गरिमामयी उपस्थिति रही। नव प्रवेशित विद्यार्थियों को आशीर्वचन देते हुए उन्होंने कहा कि यह एक नयी शुरूआत है, जिसमें विद्यार्थी भरपूर ऊर्जा से भरे हुए वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प से युक्त हैं । शारीरिक शिक्षा विभाग के असि. प्रोफेसर डॉ. मुकेश कुमार मिश्रा ने नई शिक्षा नीति-2020, क्रेडिट सिस्टम से जुड़े हुए विभिन्न पहलुओं से सभी को परिचित कराया। महाविद्यालय के चीफ प्रॉक्टर डॉ. डी.सी.डी.आर. पाण्डेय ने महाविद्यालय में अनुशासन तथा उससे आगे बढ़ने के सन्दर्भ में अमेरिका के प्रसिद्ध तैराक माइकल फेल्प्स का उदाहरण दिया, जिन्होने सात वर्षो के कठोर परिश्रम से 23 स्वर्ण पदक जीते। समाजशास्त्र विभाग की प्रो. मीना कुमारी ने नव प्रवेशित विद्यार्थियों को आशीर्वाद देते हुए कठिन परिश्रम द्वारा अपना लक्ष्य प्राप्त करने की बात कही। कार्यक्रम का सफल संचालन भूगोल विभाग की प्राध्यापिका डॉ. मनस्वी शुक्ला ने किया। इस अवसर पर 29 विद्यार्थियों का चयन विभिन्न पदों के लिए किया गया, जिसमें पदों के प्रतिनिधि के रूप में कुछ प्रमुख नाम हैं- सेक्रेटरी- प्रियांशी गौतम- बी.ए. सेमेस्टर-5, डिस्पिलिन इंचार्ज - आयुषी श्रीवास्वत - बी.ए. सेमे. एक, स्पोर्टस सेक्रेटरी - अली हाशमी- बी.ए. सेमे. तीन, क्ल्चरल सेक्रेटरी - रमा देवी - बी.ए. सेमे.पांच, वूमेन सेल सेक्रेटरी- आरूषी गुप्ता - बी.एससी. सेमे. तीन, प्रीफेट सेक्रेटरी - अध्ययन कश्यप - बी.कॉम सेमे. एक । इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारी और भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. चन्द्रमोहन उपाध्याय ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विद्यार्थियों से महाविद्यालय में उपलब्ध संसाधनों का लाभ लेने का आह्वान किया।

### पीएम ई-विद्या से डिजिटल शिक्षा को आसान और प्रभावी बना रही योगी सरकार

**लखनऊ**। योगी सरकार शिक्षा व्यवस्था में तकनीक के प्रभावी इस्तेमाल का लगातार विस्तार कर रही है। सरकार का जोर है कि डिजिटल संसाधन विद्यार्थियों की पहुंच से दूर रहने वाली सुविधा न होकर सीखने का सहज, सुलभ और प्रभावी माध्यम बनें। इसी दिशा में पीएम ई-विद्या डिजिटल मंच के माध्यम से विद्यार्थियों और शिक्षकों को पढ़ाई से जुड़े आवश्यक संसाधन एक ही मंच पर निःशुल्क उपलब्ध कराए जा रहे हैं।बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार संदीप सिंह ने कहा कि योगी सरकार प्रदेश के बच्चों को आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए डिजिटल संसाधनों के विस्तार पर विशेष जोर दे रही है। पीएम ई-विद्या जैसे मंच सीखने की प्रक्रिया को अधिक सहज और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। महानिदेशक मोनिका रानी ने कहा कि डिजिटल संसाधनों की आसान और निःशुल्क उपलब्धता सीखने और सिखाने के नए अवसर खोलती है।

# नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश और नवाचार से उत्तर प्रदेश निभाएगा महत्वपूर्ण भूमिका

आर्यावर्त संवाददाता

**लखनऊ**। ताज होटल, लखनऊ में भारत नवीकरणीय ऊर्जा सम्मेलन एवं प्रदर्शनी-2026 के ''निवेश, नवाचार, प्रेरणा'' कार्यक्रम के लखनऊ संस्करण के रोड शो का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है और आने वाला समय स्वच्छ, हरित एवं टिकाऊ ऊर्जा का है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश भी निवेश, नवाचार और नई तकनीक को बढ़ावा देकर देश की ऊर्जा यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।ए.के. शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश की व्यापक संभावनाएं हैं। प्रदेश में सौर ऊर्जा, हरित ऊर्जा, जैव ऊर्जा और अन्य स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने के साथ नई तकनीकों के प्रयोग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य ऐसी ऊर्जा व्यवस्था विकसित करना है, जो बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक विकास को भी गति प्रदान करे।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर भारत और फ्रांस ने वर्ष 2015 में अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन की शुरुआत की थी। यह भारत की उस वैश्विक सोच का उदाहरण है, जिसमें भारत स्वयं आगे बढ़ने के साथ पूरी दुनिया को साथ लेकर चलने में विश्वास करता है। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन के माध्यम से सौर ऊर्जा की अपार संभावनाओं वाले देशों को एक मंच पर लाकर तकनीक, निवेश, वित्त और अनुभव साझा किए जा रहे हैं।ऊर्जा मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड जैसे राज्यों के सामूहिक प्रयासों से देश में स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र को और अधिक गति दी जा सकती है। उन्होंने उद्योग जगत, निवेशकों, विनिर्माताओं, तकनीकी विशेषज्ञों और ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े सभी हितधारकों का आह्वान किया कि वे नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाएं और प्रदेश के विकास में भागीदार बनें।कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार सरकार के अधिकारियों के साथ ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े उद्योग प्रतिनिधियों, निवेशकों, तकनीकी विशेषज्ञों और अन्य गणमान्यजनों ने सहभागिता की। इस दौरान नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं, तकनीकी नवाचार, भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं तथा स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार पर विस्तार से चर्चा हुई।

### बंद मकानों की रेकी कर लाखों की चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा, तीन गिरफ्तार

**लखनऊ**। गोमतीनगर थाना क्षेत्र में करीब 40 लाख रुपये की चोरी के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। क्राइम एवं सर्विलांस टीम पूर्वी जोन तथा गोमतीनगर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से सोने-चांदी के आभूषण, पांच हजार रुपये नकद और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी बंद मकानों की रेकी करने के बाद रात में चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की चार घटनाओं का भी खुलासा किया है।पुलिस के मुताबिक गोमतीनगर के विश्वासखंड निवासी अनघ शुक्ल ने 30 अगस्त 2026 को थाने में तहरीर देकर बताया था कि 26 अगस्त की रात करीब 10:45 बजे से 30 अगस्त की सुबह करीब 9:20 बजे के बीच अज्ञात चोर उनके मकान का ताला और कुंडी तोड़कर अंदर घुसे।

# विश्व इंक्लूजन सम्मेलन से मिली सीख से समाज कल्याण विभाग में आएगी नई सोच और नए प्रयास

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**लखनऊ**। नई दिल्ली में आयोजित विश्व समावेशन सम्मेलन-2026 से मिली सीख अब उत्तर प्रदेश के समाज कल्याण विभाग के कामकाज में नई सोच और नए प्रयासों का आधार बनेगी। इसी उद्देश्य से बुधवार को गोमती नगर स्थित भागीदारी भवन में बैठक आयोजित की गई। 'एक विश्व, सबका सम्मान' विषय पर आयोजित बैठक में समाज कल्याण राज्यमंत्री असीम अरुण, दिव्य प्रेम सेवा मिशन के संस्थापक आशीष, प्रमुख सचिव समाज कल्याण अनुराग यादव और निदेशक संजीव सिंह सहित विभाग के सभी अधिकारी मौजूद रहे।बैठक में सम्मेलन में प्रतिभाग करने वाले नव नियुक्त जिला समाज कल्याण अधिकारियों ने विभिन्न विषयों पर प्रस्तुतिकरण के माध्यम से अपने अनुभव और वहां से मिली सीख साझा की। अधिकारियों ने बताया कि सम्मेलन के दौरान समावेशन, सामाजिक सहभागिता और समाज के विभिन्न वर्गों की बदलती जरूरतों को लेकर सामने आए विचारों को प्रदेश में समाज कल्याण की योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाने में उपयोग किया जा सकता है।बैठक में इस बात पर विशेष रूप से मंथन किया गया कि समाज कल्याण के क्षेत्र में उभरती नई जरूरतों की समय रहते पहचान कैसे की जाए और उनके अनुरूप नई नीतियों तथा प्रभावी कार्यक्रमों को किस तरह विकसित किया जा सकता है। अधिकारियों ने अपने अनुभवों के आधार पर नवाचार और समाधान आधारित दृष्टिकोण अपनाने की संभावनाओं पर भी विचार रखे। इस दौरान विभागीय योजनाओं को अधिक परिणामदायी बनाने तथा जरूरतमंद लोगों तक उनका बेहतर लाभ पहुंचाने के उपायों पर चर्चा हुई।समाज कल्याण राज्यमंत्री असीम अरुण ने कहा कि सम्मेलन में प्राप्त अनुभवों को केवल व्यक्तिगत सीख तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, बल्कि इनका उपयोग विभागीय कार्यप्रणाली में ठोस बदलाव और बेहतर नीतियों के निर्माण के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि समाज कल्याण के क्षेत्र में बदलती परिस्थितियों और नई आवश्यकताओं को समझते हुए योजनाओं और कार्यक्रमों में आवश्यक सुधार किए जाएं। उन्होंने कहा कि समाज कल्याण विभाग को पारंपरिक तरीके से आगे बढ़ने के साथ-साथ नई सोच, नवाचार और समाधान आधारित दृष्टिकोण को अपनाने पर विशेष जोर देना चाहिए। अधिकारियों को ऐसे प्रयास करने होंगे, जिनसे समाज के जरूरतमंद और वंचित वर्गों को योजनाओं का अधिक प्रभावी और समयबद्ध लाभ मिल सके। बैठक में सम्मेलन से मिली सीख को विभागीय योजनाओं और कार्यप्रणाली में शामिल करने के लिए आगे की कार्ययोजना पर भी विचार-विमर्श किया गया।

# यूपी के कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए जनहित स्वास्थ्य पोर्टल शुरू

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**लखनऊ**। उत्तर प्रदेश सरकार ने कर्मचारियों और पेंशनरों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति की प्रक्रिया में बड़ी राहत देते हुए 'जनहित स्वास्थ्य पोर्टल' शुरू किया है। नई व्यवस्था के तहत चिकित्सा प्रतिपूर्ति के दावों से जुड़ी पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन कर दी गई है। इससे कर्मचारियों और पेंशनरों को अब चिकित्सा प्रतिपूर्ति के लिए कागजी फाइलों और कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं होगी। नई ऑनलाइन व्यवस्था का उद्देश्य दावों के निस्तारण की प्रक्रिया को तेज, पारदर्शी और सरल बनाना है।नई व्यवस्था के तहत उपचार शुरू होने के 30 दिन के भीतर संबंधित विभाग को इसकी सूचना देनी होगी। इसके बाद 90 दिन के अंदर 'जनहित स्वास्थ्य पोर्टल' पर चिकित्सा प्रतिपूर्ति के लिए दावा प्रस्तुत करना होगा। दावा करते समय चिकित्सा से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड करने होंगे, जिससे संबंधित अधिकारियों को दावे की जांच और निस्तारण में सुविधा होगी।पोर्टल पर प्राप्त दावे का निस्तारण निर्धारित प्रक्रिया के तहत किया जाएगा और दावा प्राप्त होने के 45 कार्यदिवस के भीतर चिकित्सा प्रतिपूर्ति का भुगतान किया जाएगा। प्रतिपूर्ति की गणना संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ तथा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली की निर्धारित चिकित्सा दरों के आधार पर की जाएगी।जनहित स्वास्थ्य पोर्टल' को मानव संपदा पोर्टल से भी जोड़ा जाएगा। इससे मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली कोड वाले कर्मचारियों का व्यक्तिगत और सेवा संबंधी विवरण पोर्टल पर स्वतः प्रदर्शित होगा। इससे आवेदन भरने की प्रक्रिया और आसान होगी तथा कर्मचारियों को बार-बार अपनी सेवा संबंधी जानकारी दर्ज करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।कर्मचारी नागरिक प्रवेश के माध्यम से अपनी उपयोगकर्ता पहचान और पासवर्ड बनाकर पोर्टल पर प्रवेश कर सकेंगे। इसके बाद 'चिकित्सा प्रतिपूर्ति भुगतान' विकल्प के माध्यम से अपना आवेदन प्रस्तुत किया जा सकेगा। आवेदन के साथ आवश्यक चिकित्सा दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड करने के बाद दावा संबंधित विभागीय प्रक्रिया में चला जाएगा।सरकार की इस नई व्यवस्था से प्रदेश के करीब 16.35 लाख कर्मचारी और 11.53 लाख पेंशनर लाभान्वित होंगे। ऑनलाइन प्रक्रिया लागू होने से चिकित्सा प्रतिपूर्ति के लिए लंबे समय तक कागजी कार्यवाही और भौतिक पत्राचार पर निर्भरता कम होगी। पहले कागजी फाइलों और भौतिक पत्राचार के कारण दावों की जांच तथा निस्तारण में देरी के साथ ही कई स्तरों पर विसंगतियां भी सामने आती थीं।

# अब प्रसूता की मौत पर 24 घंटे में होगा आडिट

## अपर मुख्य सचिव ने रोजाना समीक्षा करने व चिंहित जनपद में सुधारवादी कदम उठाने के दिए निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

**लखनऊ**। प्रदेश में किसी भी प्रसूता की मौत होने पर 24 घंटे के भीतर आडिट किया जाएगा और कारण जानने के बाद उस जनपद में सुधारवादी कदम उठाए जाएंगे। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य (एसीएस) अमित कुमार घोष ने यह निर्देश प्रदेश में मातृ मृत्यु दर को कम करने के लिए किए जा रहे प्रयासों के तहत दिए हैं। उन्होंने 28 नवनिर्मित स्वायत्त मेडिकल कालेजों व सभी जिला महिला अस्पतालों के डाक्टरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की भी हिदायत दी। एसीएस बुधवार को रीज़नल रिसोर्स ट्रेनिंग सेंटर (आरआरटीसी) कार्यक्रम के 10 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में किंग जार्ज मेडिकल विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के कलाम सेंटर में आयोजित समीक्षा कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

एसीएस ने कहा कि बीते एक दशक में निश्चित तौर पर एमएमआर कम हुई है लेकिन प्रदेश में गर्भावस्था या प्रसव के दौरान हुई प्रत्येक मौत दुखद है इसलिए हमें एमएमआर को और कम करने के लिए प्रयास करते रहने होंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रदेश भर में कहीं भी किसी भी प्रसूता की मौत होती है तो उसका दैनिक स्तर पर आडिट किया जाए और कारण जानकर उस जनपद में सुधारवादी कदम उठाए जाएं। यदि किसी जनपद में बार-बार मृत्यु के मामले आ रहे हैं तो उस जनपद पर फोकस होकर काम करें। अभी तक हफ्ते में एक बार यह आडिट किया जाता था। इस कार्यशाला में प्रदेश के 20 मेडिकल कालेजों के डाक्टरों ने भाग लिया और अपने अनुभव साझा किए। उत्तर प्रदेश टेक्निकल सपोर्ट यूनिट (यूपीटीएसयू) के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला में केजीएमयू की कुलपति डॉ सोनिया नित्यानंद ने आरआरटीसी कार्यक्रम के सफलतापूर्वक लागू करने के लिए टीम को बधाई दी। उन्होंने बताया कि नैरोबी में उन्होंने प्रदेश के आरआरटीसी माडल को प्रजेंट किया तो लोग भौंचक थे कि ऐसा भी हो सकता है। डॉ सोनिया ने कहा कि जन्म लेते ही जिन नवजातों को सांस लेने में परेशानी होती है, उनके लिए सी-पैप मशीन वरदान की तरह साबित हुई है। बाल रोग विशेषज्ञों को सीपैप के बारे में प्रशिक्षित कर ढेरों नवजातों की जान बचाई जा सकी है। कार्यशाला में डीजी परिवार कल्याण डॉ शुभ्रा मिश्रा व डीजी प्रशिक्षण डॉ रंजना खरे ने भी अपने विचार रखे।

गेट्स फाउंडेशन के उपनिदेशक डॉ देवेंद्र खंडैत ने कहा कि 10 साल पहले प्रदेश में पोस्टपार्टम हैमरेज के 20-25 प्रतिशत मामले की चिंहित हो पाते थे। आज 75 प्रतिशत मामले चिंहित हो रहे हैं और उनका मौके पर ही इलाज हो रहा है। ऐसा आरआरटीसी के तहत डाक्टरों के दक्ष होने के कारण हुआ है। इससे पहले यूपीटीएसयू के सीनियर प्रोजेक्ट डायरेक्टर जान एंटनी ने आरआरटीसी कार्यक्रम की 10 साल की यात्रा के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2016 में जब आरआरटीसी कार्यक्रम डिजाइन हुआ उस समय एमएमआर 197 प्रति एक लाख थी। आज 2026 में घटकर 154 रह गई है।

कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डॉ सीमा टंडन ने बताया कि इस ट्रेनिंग के दौरान डमी के द्वारा इस तरह का अभ्यास कराया जाता है कि इमरजेंसी में किसी केस के आने के बाद किस तत्परता के साथ क्या-क्या कदम उठाने पड़ते हैं, उन सभी के बारे में विस्तार के साथ समझाया जाता है। इस अभ्यास से चिकित्सकों की गुणवत्ता में भरपूर सुधार भी नजर आया है, जिसके चलते सरकारी अस्पतालों के प्रति लोगों का भरोसा बढ़ा है। केजीएमयू की स्त्री रोग विभागाध्यक्ष व कार्यक्रम की मेंटर डॉ अंजू अग्रवाल ने बताया कि अब तक प्रदेश के 20 मेडिकल कालेजों के डाक्टरों को प्रशिक्षित किया जा चुका है और प्रशिक्षण के फायदे भी नजर आने लगे हैं। प्रदेश में वर्ष एमएमआर निश्चित तौर पर घटा दिखेगा। कार्यक्रम में केजीएमयू की पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ विनीता दास, बालरोग विभागाध्यक्ष डॉ एसएन सिंह, प्रोफेसर शालिनी त्रिपाठी, वीरांगना अवंती बाई अस्पताल के डॉ सलमान खान ने भी आरआरटीसी ट्रेनिंग से डाक्टरों को हुए लाभ के बारे में बताया।

## सहयोग, समावेश और समाधान...BRICS में क्या खेला करने भारत आ रहे रूस, चीन और ईरान

ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत के पास है। बहुत बड़ी बैठक इसी महीने नई दिल्ली में आयोजित होने वाली है। दुनिया की नजरें ब्रिक्स की बैठक पर है। 2026 में भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता में बैठक कर रहा है, वो कहां करने वाला है? ये नई दिल्ली में भारत मंडपम में 12 13 सितंबर को ब्रिक्स देशों की बैठक होगी और इसके लिए पहले भी साल भर वर्किंग ग्रुप्स हैं, मंत्रियों स्तर की बैठक है, सीजीआई स्तर की बैठक है, बैंकिंग स्तर की बैठक है, एनएसए लेवल की बैठक है। ये सब कुछ पहले ही भारत में हो चुका है। और अब राष्ट्रीय अध्यक्षों के बीच यह बैठक 12 13 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित होने वाली है।

ब्रिक्स उभरते हुए बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं वाले 11 प्रमुख देशों का एक ग्रुप है जिसमें ब्राजील, चीन, मिस्र, इथोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात है। ये जो ब्रिक्स है इसमें जो सबसे बड़ी बात है वो ये कि ये जो ग्लोबल और क्षेत्रीय मुद्दों के साथ ही अंतरराष्ट्रीय, राजनीतिक और आर्थिक गवर्नेंस से जुड़े मामलों पर लगातार बातचीत करता है। और सहयोग के लिए एक अहम मंच है और यही वजह है कि ब्रिक्स का जब भी नाम आता है तो अमेरिका की धड़कनें बढ़ जाती हैं। क्योंकि अमेरिका को लगता है कि ब्रिक्स के जरिए डॉलर को धराशाई करने का प्लान है और डॉलर को ठेंगा दिखा के अगर ब्रिक्स देश आपस में ही कोई अपनी करेंसी बना ले कोई अपना ट्रांजैक्शन सिस्टम बना ले तो अमेरिका को एक बड़ा झटका लग सकता है। इसके लोगो में भारत के राष्ट्रीय फूल कमल है। इसके बीच में नमस्ते की मुद्रा है। इसे एक पब्लिक डिजाइन प्रतियोगिता के जरिए चुना गया। इसमें पंखुड़ियों में ब्रिक्स के सभी सदस्य देशों का रंग है जो इसकी आधिकारिक थीम से जुड़े हुए हैं। मजबूत इनोवेशन, सहयोग और सेंसबिलिटी का निर्माण।

इसमें जो सबसे पहला नाम है वो रूस के राष्ट्रपति व्लादमीर पुतिन का है जिनका आना लगभग तय माना जा रहा है। चीन के राष्ट्रपति शी जिजिंगपिंग के भी दौरे की जानकारी है कि वो भी इस दौरे पर आ सकते हैं। इसके अलावा ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजिशियान भी भारत में अपनी मौजूदगी दर्ज करा सकते हैं। यानी कि तीन अहम राष्ट्रपति भारत जो हैं वैश्विक नेता जो हैं वह भारत में ब्रिक्स की बैठक में हिस्सा लेने के लिए इस बार नई दिल्ली की यात्रा कर सकते हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन है। यह सम्मेलन ऐसे वक्त में हो रहा है जब मध्य पूर्व और यूरोप में जो है वो युद्ध के कारण भू राजनीतिक तनाव जो है वो अपने चरम पर है और अमेरिका को लेकर भी बहुत उथल-पुथल है। इसके अलावा माना जा रहा है कि अब जो है समूह का विस्तार जो है वो एशिया, अफ्रीका, मध्यपूर्व और लैटिन अमेरिका तक हो गया है। उम्मीद है कि इस पूरे ब्लॉक के नेता और वरिष्ठ प्रतिनिधि भी आपको एक साथ नजर आएंगे। सम्मेलन के लिए बताया जा रहा है कि नई दिल्ली आने वाले राष्ट्रीय अध्यक्षों में जो है दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा भी शामिल हो सकते हैं। मिस्र के राष्ट्रपति अब्दुल फतेह अलसीसी भी शामिल हो सकते हैं। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको भी आ सकते हैं। कजाकिस्तान के राष्ट्रपति कासिम जोरमाट टोकयो भी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रोबो सुबानतो भी शामिल हो सकते हैं। मान जानकारी यह भी है कि मलेशिया, थाईलैंड, इथोपिया के भी पीएम जो हैं वह इस शिखर सम्मेलन में शामिल हो सकते हैं। जबकि क्यूबा, नाइजीरिया, उज्बेकिस्तान का प्रतिनिधि जो है उनके राष्ट्रपतियों के द्वारा जो है वो किया जा सकता है। इसके अलावा माना जा रहा है कि कई अहम देशों के मंत्री जो हैं अह वो घरेलू व्यवस्थाओं में जो है लूला डिसिलवा शामिल नहीं हो पाएंगे। इसके अलावा युगांडा का प्रतिनिधित्व मंडल आएगा। वहीं वियतनाम के पीएम भी आ सकते हैं। और संयुक्त अरब अमीरात के प्रतिनिधि जो हैं वो अबू धाबी के क्राउंस प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन ज़द अल नहायन कर सकते हैं।

# दुनिया छोड़िए भारत अपने पड़ोस में ही बेगाना

**पिछले साल जुलाई में मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में लगातार 4,078 दिन पद पर रह कर इंदिरा गांधी का 4,077 दिन लगातार पीएम रहने का रिकॉर्ड तोड़ा था।**

**हरिशंकर व्यास**

सात अक्टूबर को मोदी के शीर्ष सरकारी पद पर रहते हुए 25 साल के मौके को खास बनाने के लिए बहुत कुछ हैं। उससे पहले उनका जन्मदिन भी है। वे 17 सितंबर को 76 साल के होंगे। पिछले साल जब अमृत वर्ष हुआ था तब इस बात की बहुत चर्चा हुई थी कि अब वे 75 साल के हो गए तो क्या पार्टी के अघोषित नियम के मुताबिक उनको रिटायर हो जाना चाहिए? उसी समय संघ प्रमुख मोहन भागवत भी 75 साल के हुए थे। फिर दोनों ने तय किया कि 75 साल का नियम दूसरे लोगों के लिए है, जो उन पर लागू नहीं होगा और दोनों अपने पद पर बने रहे।

पिछले साल जुलाई में मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में लगातार 4,078 दिन पद पर रह कर इंदिरा गांधी का 4,077 दिन लगातार पीएम रहने का रिकॉर्ड तोड़ा था। इस साल 10 जून को एक नए रिकॉर्ड की खूब चर्चा हुई। भाजपा ने एक नई श्रेणी बनाई और कहा कि मोदी अब सबसे ज्यादा दिन पद पर रहने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री हो गए हैं। भाजपा का कहना है कि नेहरू 1947 में प्रधानमंत्री बने तो निर्वाचित नहीं थे। निर्वाचित प्रधानमंत्री वे 1952 में बने थे और लगातार 4,398 दिन पद पर रहे थे। 10 जून 2026 को मोदी के प्रधानमंत्री पद पर 4.399 दिन पूरे हुए और उन्होंने नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ दिया। मोदी की इन दोनों उपलब्धियों में लगातार और निर्वाचित शब्द महत्वपूर्ण है क्योंकि सबसे ज्यादा समय तक प्रधानमंत्री रहने के मामले में वे अब भी इंदिरा गांधी से तीन साल और नेहरू से पांच साल पीछे हैं। जब भाजपा और केंद्र सरकार इस बात का उत्सव मना रहे थे कि मोदी लगातार सबसे ज्यादा दिन निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने वाले नेता बन गए हैं और नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ दिया है तब हिंदी के एक लेखक ने तंज करते हुए लिखा था कि मोदी जब 79 साल के होंगे तब वे धरती पर महात्मा गांधी से ज्यादा सांस लेने का रिकॉर्ड तोड़ देंगे। बहरहाल, उनके नाम से अनगिनत रिकॉर्ड दर्ज हो गए हैं। वे लगातार सबसे ज्यादा दिन प्रधानमंत्री रहने वाले निर्वाचित नेता हैं, मुख्यमंत्री रहते पीएम पद के दावेदार घोषित होने और पीएम बनने वाले पहले नेता हैं, दोनों पद मिला कर 25 साल रहने वाले पहले नेता हैं, संसद की सीढ़ियों पर माथा टेकने वाले पहले नेता हैं, संविधान को माथे से लगा कर सेंट्रल हॉल में भाषण देने वाले पहले नेता हैं, नए संसद भवन में बतौर प्रधानमंत्री बोलने वाले पहले नेता हैं। आदि, आदि। सोचें, उन्होंने क्या क्या रिकॉर्ड नहीं बनवाए। नेहरू ने आजादी की आधी रात को भाषण दिया था तो मोदी ने भी आधी रात को संसद का सत्र बुला कर जीएसटी कानून लागू कराया था। 'एक देश, एक कानून का ढिंढोरा पीटा गया है, जबकि वास्तविकता यह है कि देश अब भी कई तरह के टैक्स से जूझ रहा है। गुजरात का मुख्यमंत्री रहते जीएसटी का विरोध करने वाले मोदी ने जिस धूमधाम से जीएसटी लागू किया वह हैरान करने वाला था। नोटबंदी के तुरंत बाद लागू किए गए जीएसटी ने देश के छोटे व मझोले उद्यम के इकोसिस्टम को तबाह कर दिया। फिर भी नोटबंदी भी उपलब्धि है और जीएसटी भी उपलब्धि है। लोग कहेंगे कि अब मोदीजी नोटबंदी पर नहीं बोलते हैं। उनको बोलने की जरुरत नहीं है। अभी एक भव्य बजट की फिल्म बनवा कर दिखाया गया है कि नोटबंदी का देश को कितना फायदा मिला।

एक देश, एक टैक्स की तरह प्रधानमंत्री को एक देश, एक कुछ भी करने का जुनून है। तभी एक देश, एक परीक्षा के लिए एनटीए का गठन किया गया। देश के इतिहास में इतना नाकारा कोई संगठन आज तक नहीं बना है। आए दिन पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी, धांधली आदि की खबरें आती हैं। अभ्यर्थियों की संख्या के लिहाज से सबसे बड़ी परीक्षा मेडिकल में दाखिले की नीट यूजी परीक्षा होती है। पिछली तीन परीक्षाओं में से दो में पेपर लीक हो गए और परीक्षा केंद्रों पर धांधली हुई। इसके बाद भी शिक्षा मंत्री का इस्तीफा कराने के लिए छात्रों को 35 दिन दिल्ली में धरना देना पड़ा। स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता लगातार गिरती जा रही है। भाई साहेब लोगों के आगे पीछे घूमने वाले फिसड्डी लोगों को नियुक्त किया जा रहा है। सारे रिसर्च सेंटर भी ऐसे ही चल रहे हैं। खुद नीति आयोग ने कहा है कि देश के 15 से 29 साल के युवाओं में से 8.7 करोड़ युवा ऐसे हैं, जो न पढ़ रहे हैं, न किसी कौशल का प्रशिक्षण ले रहे हैं और न कोई काम कर रहे हैं। सोचें, लगभग नौ करोड़ लोग ऐसे हैं, जो कुछ नहीं कर रहे हैं। यह शिक्षा और कौशल विकास योजना की उपलब्धि है! अब एक देश, एक चुनाव की तैयारी चल रही है। अगर प्रचार के लिए उपलब्धियों की बात करें तो उसकी सूची इतनी लंबी है कि कई पन्ने कम पड़ जाएंगे। एक बड़ी उपलब्धि आधार है, जिसका मुख्यमंत्री रहते मोदी ने विरोध किया था। प्रधानमंत्री बने तो आधार को हर चीज के लिए अनिवार्य किया गया। अब पता चला है कि आधार किसी काम का नहीं है। सोचें, एक समय पूरा देश अपने बैंक खाते आधार से जोड़ रहा था, वोटर आईडी आधार से जोड़ रहा था, पैन कार्ड को आधार से जोड़ रहा था और बाद में पता चला कि इनमें से किसी दस्तावेज का कोई खास मतलब नहीं है। देश का नागरिक अदालत में 16 दस्तावेज पेश करके भी अपने को नागरिक नहीं प्रमाणित कर पा रहा है। लाल किले से पहले भाषण में प्रधानमंत्री ने सफाई और शौचालय की बात की। बहुत अच्छी बात थी। लेकिन अब कोई बात नहीं करता है। भारत दुनिया के सबसे गंदे शहरों वाला देश है। दुनिया के 10 सबसे प्रदूषित शहरों की बात होती है तो नौ भारत के होते हैं। लाल किले से पहले भाषण में जैम यानी जन धन खाता, आधार और मोबाइल की बात की और उसके जरिए डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर की योजना चली। क्या उससे देश के लोगों का सशक्तीकरण हुआ? आधार, मोबाइल और जन धन खाता सिर्फ सरकारों की ओर से मिलने वाली मुफ्त की रेवड़ी के ट्रांसफर का माध्यम बना। खाता खुलने से न लोगों का बिजनेस चलने लगा और न नौकरी मिली। लेकिन इसका प्रचार होता है कि डीबीटी के जरिए कितने लाख करोड़ रुपए की बचत हो गई। एक तरफ डिजिटल तकनीक के इस्तेमाल से लाखों करोड़ रुपए बचाने की बात होती है और दूसरी ओर यूपीआई के इस्तेमाल पर शुल्क लगाने की बात कही जाती है। ऐसे ही विरोधाभासों में सरकार काम कर रही है। उपलब्धियों के प्रचार में गिनाया जाता है कि सरकार ने फसल बीमा योजना लागू किया है, जिस पर कितने लाख करोड़ खर्च हुए हैं। हकीकत यह है कि लाखों की संख्या में किसान अब फसल बीमा योजना से बाहर निकल रहे हैं क्योंकि इससे उनको कोई फायदा नहीं हो रहा है। पूरे देश में 73 लाख किसान इस योजना से बाहर हो गए हैं, जिनमें से 37 लाख अकेले महाराष्ट्र के हैं। आयुष्मान भारत योजना से मुफ्त इलाज की बात हो रही है लेकिन वास्तविकता यह है कि आम लोगों की बजाय निजी अस्पताल और बीमा कंपनियां इसका लाभ ले रही हैं।

### व्यंग्य

## नीति में उचित बदलाव लाए

पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा बढ़ाने की नीति के गंभीर परिणाम सामने होने के बावजूद सरकार में इस नीति पर पुनर्विचार के संकेत नहीं हैं। जबकि उचित यह होगा कि वह इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न ना बनाए।

केंद्र के इस दावे पर यकीन करना कठिन है कि चीनी आयात के फैसले का पेट्रोल में इथेनॉल की मिलावट से कोई संबंध नहीं है। अभी हाल तक अच्छी फसल वाले साल में भारत 70 लाख टन तक चीनी का निर्यात करता था। अब दस लाख टन चीनी आयात करने की नौबत आई है। गणित सीधा है। खबरों के मुताबिक 28 फीसदी इथेनॉल का उत्पादन गन्ने से हो रहा है। अनुमान है कि जितना गन्ना इसमें लगा, उससे 30 लाख टन चीनी बन सकती थी। ऐसा होता, तो देश में मांग की तुलना लगभग 20 लाख टन अतिरिक्त चीनी उपलब्ध रहती।

इसलिए इस धारणा में दम है कि वाहनों में ईंधन के रूप इथेनॉल के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की गुमराह नीति विदेशी मुद्रा की किल्लत के दौर में चीनी जैसी सामान्य वस्तु के आयात के लिए जिम्मेदार है। लेकिन बात यहीं तक नहीं है। चावल जैसे आम अनाज का भी इथेनॉल उत्पादन में इस्तेमाल बढ़ रहा है। खबरों के मुताबिक बीते अप्रैल-जुलाई के बीच भारतीय खाद्य निगम ने इस मकसद से 23.42 लाख टन चावल बेचा। वित्त वर्ष 2025-26 में इससे दो गुना चावल इसके लिए बेचा गया था। इस रुझान में किस तेजी से वृद्धि हुई है, इसे जानने के लिए इस पर गौर करना पर्याप्त होगा कि 2023-24 तक महज 8.96 लाख टन चावल का इथेनॉल उत्पादन में इस्तेमाल हुआ था। इस उद्देश्य के लिए मक्के का उपयोग भी बढ़ा है।

संभवतः ऐसी ही सूचनाओं से चिंतित होकार कुछ रोज पहले नरेंद्र सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागश्वेरन ने एक अखबार में लेख लिख कर अपनी चिंता जताई थी। उन्होंने इथेनॉल उत्पादन में बड़े पैमाने पर पानी के इस्तेमाल को लेकर भी आगाह किया था। तब तक चीनी आयात का फैसला सामने नहीं आया था। अब चूंकि इथेनॉल का यह परिणाम सामने है, तो बाकी चिंताएं भी अधिक गंभीर हो गई हैं। मगर सरकार के अंदर पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा बढ़ाने की नीति पर पुनर्विचार के संकेत नहीं हैं। जबकि उचित यह होगा कि बिना प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाए वह तुरंत इस नीति में उचित बदलाव लाए।

### ब्लॉग

# सत्य निकेतन हादसा: जिम्मेदार अधिकारियों पर हो ठोस कार्रवाई

**ललित गर्ग**

दिल्ली के सत्य निकेतन में रविवार को पांच मंजिला छात्र-पीजी भवन का भरभराकर गिर जाना केवल एक दर्दनाक हादसा नहीं है। यह उस व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न है, जो भवन बनने देती है, उसमें अनधिकृत निर्माण होने देती है, उसमें विद्यार्थियों को रहने देती है, उसकी कमजोरियों को वर्षों तक नजरअंदाज करती है और फिर उसके ढह जाने के बाद जागती है। इस हादसे में अब तक छह लोगों की मौत की सूचना है और कई लोग घायल हुए हैं। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार भवन में बेसमेंट और कई ऊपरी मंजिलों में मरम्मत या निर्माण संबंधी काम चल रहा था। प्रशासन ने मजिस्ट्रेट जांच और भवन मालिक के खिलाफ एफआईआर के आदेश दिए हैं। लेकिन असली सवाल यह नहीं है कि हादसे के बाद किसके खिलाफ एफआईआर होगी? असली सवाल यह है कि हादसे से पहले जिम्मेदार अधिकारी कहां थे? यदि निर्माण नियमों का उल्लंघन था, यदि भवन का स्वीकृत नक्शा नहीं था, यदि अतिरिक्त मंजिलें बनाई गई थीं, यदि बेसमेंट में निर्माण चल रहा था, यदि भवन छात्रों के रहने के लिए इस्तेमाल हो रहा था और यदि वह संरचनात्मक रूप से जोखिमपूर्ण था, तो इन सबका पता प्रशासन को तब क्यों नहीं चला जब वहां निर्माण हो रहा था? सरकार

सत्य निकेतन दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर के आसपास विद्यार्थियों का प्रमुख इलाका है। देश के विभिन्न राज्यों से हजारों युवा यहां अपने भविष्य के सपने लेकर आते हैं। वे छोटे-छोटे कमरों, पीजी और किराये के मकानों में रहकर पढ़ते हैं। उनके माता-पिता अपनी जीवनभर की कमाई का बड़ा हिस्सा बच्चों की शिक्षा पर लगाते हैं और यह विश्वास करते हैं कि राजधानी में उनका बच्चा सुरक्षित रहेगा। लेकिन जब शिक्षा की तलाश में निकला युवा एक ऐसी इमारत में पहुंचता है, जिसकी नींव ही नियमों और सुरक्षा के साथ समझौते पर टिकी हो, तो विकास की हमारी पूरी अवधारणा कटघरे में खड़ी हो जाती है और यह कोई पहली चेतावनी नहीं है। 2022 में भी सत्य निकेतन में निर्माणाधीन चार मंजिला इमारत ढहने से दो मजदूरों की मौत हुई थी और चार लोग घायल हुए थे। उस समय भी निर्माण कार्य, सुरक्षा और भवन की निगरानी पर सवाल उठे थे। लगभग चार साल बाद उसी इलाके में फिर एक बड़ी इमारत ढह गई। इसका अर्थ है कि हमने घटना से सबक लेने के बजाय घटना को एक समाचार की तरह देखा और आगे बढ़ गए।

यहां भ्रष्टाचार की बात करते समय एक सावधानी भी जरूरी है। किसी अधिकारी या व्यवसायी को बिना जांच दोषी ठहराना उचित नहीं। लेकिन यदि जांच में यह सिद्ध होता है कि नियमों के विरुद्ध निर्माण को जानबूझकर नजरअंदाज किया गया, निरीक्षण में लापरवाही हुई या किसी प्रकार की मिलीभगत रही, तो जिम्मेदारी केवल भवन मालिक तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जिसने नियम तोड़े और जिसने नियम तोड़ने दिए-दोनों को जवाबदेह बनाना होगा। सत्य निकेतन की त्रासदी को जुलाई 2024 के पुराने राजेंद्र नगर हादसे से अलग करके नहीं देखा जा सकता। वहां राव आईएएस स्टडी सर्किल के बेसमेंट में पानी भर जाने से तीन सिविल सेवा अभ्यर्थियों-तनीया सोनी, श्रेया यादव और नवीन डालविन की मृत्यु हुई थी। सबसे भयावह तथ्य यह था कि बेसमेंट का उपयोग लाइब्रेरी के रूप में हो रहा था, जबकि उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार उसे पार्किंग और स्टोरेज के लिए इस्तेमाल किया जाना था। इससे भी अधिक चिंताजनक बात सामने आई-हादसे से लगभग एक महीने पहले एक विद्यार्थी ने एमसीडी में शिकायत की थी।

भारत में भवन निर्माण के लिए नियमों की कमी नहीं है। नक्शा स्वीकृति, भवन उपविधियां, अग्नि सुरक्षा, संरचनात्मक सुरक्षा, अधिभोग प्रमाणपत्र, पार्किंग, बेसमेंट के उपयोग-हर क्षेत्र के लिए नियम हैं। लेकिन समस्या नियमों की संख्या नहीं, उनके पालन की ईमानदारी है। जब किसी भवन में एक मंजिल की अनुमति हो और चार-पांच मंजिलें खड़ी हो जाएं, जब बेसमेंट स्टोरेज के लिए स्वीकृत हो और वहां लाइब्रेरी या व्यावसायिक गतिविधि चलने लगे, जब सड़क की जलनिकासी बाधित हो और फिर भी निर्माण चलता रहे-तो सवाल केवल नागरिक की मनमानी का नहीं है। सवाल उस पूरी निगरानी व्यवस्था का है, जो आंखों के सामने होने वाले बदलाव को देखने के बावजूद समय पर कार्रवाई नहीं करती। भ्रष्टाचार केवल रिश्वत लेने का नाम नहीं है। भ्रष्टाचार वह भी है जब कोई जिम्मेदार व्यक्ति अपने कर्तव्य को जानबूझकर न निभाए। किसी अवैध निर्माण को देखकर आंखें बंद कर लेना भी व्यवस्था के प्रति अपराध है। किसी भवन को जोखिमपूर्ण जानते हुए कार्रवाई न करना भी भ्रष्ट प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा है।

सरकारी भवन भी सुरक्षित नहीं तो आम आदमी किस पर भरोसा करे? मई 2024 में दिल्ली के आईटीओ स्थित सेंट्रल रेवेन्यू बिल्डिंग में आग लगी थी। 46 वर्षीय ऑफिस सुपरिंटेंडेंट की धुएं में दम घुटने से मृत्यु हुई थी। रिपोर्टों के अनुसार भवन पुराना था और उसमें आधुनिक फायर-सप्रिंकलर व्यवस्था भी नहीं थी। यह घटना एक और सवाल सामने रखती है-जब सरकारी भवनों में भी सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त नहीं है, तो निजी और अनधिकृत भवनों की निगरानी की स्थिति क्या होगी? मुंबई, दिल्ली, चेन्नई, बेंगलुरु और देश के अन्य महानगरों में अनियोजित शहरी विस्तार लगातार बढ़ रहा है। जमीन सीमित है, जनसंख्या बढ़ रही है, किराये की मांग बढ़ रही है और व्यावसायिक हित अधिकतम जगह का अधिकतम उपयोग चाहते हैं। ऐसे में यदि शासन मजबूत नियमन और वैज्ञानिक शहरी नियोजन नहीं करेगा तो शहर ऊपर की ओर बढ़ेंगे, लेकिन उनकी सुरक्षा नीचे गिरती जाएगी। दुर्घटना के बाद वही परिचित दृश्य सामने आता है-मंत्री घटनास्थल पर पहुंचते हैं, अधिकारी बैठक करते हैं, मुआवजे की घोषणा होती है, जांच समिति बनती है, कुछ भवन सील होते हैं, कुछ गिरफ्तारियां होती हैं और कुछ दिनों तक प्रशासन सक्रिय दिखाई देता है। फिर धीरे-धीरे सब सामान्य हो जाता है। लेकिन किसी मृत विद्यार्थी के माता-पिता के लिए कुछ भी सामान्य नहीं होता। उनके लिए वह एक जांच समिति नहीं, जीवनभर का खालीपन है। उनके लिए मुआवजे की राशि उनके बेटे या बेटी का विकल्प नहीं है। वे यह जानना चाहते हैं कि उनका बच्चा सुरक्षित क्यों नहीं था? किसने सुरक्षा की गारंटी दी थी? किसने निगरानी की थी? किसने खतरे को नजरअंदाज किया था? इसलिए जांच का उद्देश्य केवल दोषी व्यक्ति ढूंढना नहीं होना चाहिए। जांच को यह भी पता लगाना चाहिए कि किस स्तर पर सिस्टम विफल हुआ। फाइल कहां रुकी? निरीक्षण किसने किया? शिकायत किसने दबाई? नक्शा किस आधार पर स्वीकार हुआ? अवैध निर्माण वर्षों तक कैसे चलता रहा? भवन में रहने वालों की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी थी? और सबसे महत्वपूर्ण-क्या उन अधिकारियों की भी जवाबदेही तय होगी जिनकी जिम्मेदारी ही ऐसे हादसों को रोकना थी?

सत्य निकेतन के मलबे से आज देश को केवल छह मौतों का आंकड़ा नहीं देखना चाहिए। वहां दबे हुए सपनों को देखना चाहिए। उन माता-पिताओं की आंखों को देखना चाहिए जिन्होंने अपने बच्चों को दिल्ली भेजते समय यह सोचा होगा कि वे पढ़ेंगे, आगे बढ़ेंगे और परिवार का नाम रोशन करेंगे। उन सपनों की मौत केवल एक इमारत के गिरने से नहीं हुई है, वे उस मानसिकता के नीचे दबे हैं जिसमें नियमों से अधिक प्रभावशाली पैसा, सुविधा और 'सब चलता है' की संस्कृति बन जाती है। अब समय है कि सरकारें हादसों के बाद जागने की आदत छोड़ें। भवन गिरने से पहले निरीक्षण हो, पानी भरने से पहले जलनिकासी सुधरे, शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई हो और भ्रष्टाचार होने से पहले ही उसकी गुंजाइश बंद हो। क्योंकि देश को केवल नया भारत नहीं बनाना है-उसे सुरक्षित, जिम्मेदार, ईमानदार और संवेदनशील भारत भी बनाना है। सत्य निकेतन का मलबा हमसे यही पूछ रहा है-अगली इमारत गिरने का इंतजार करेंगे या अब व्यवस्था को सचमुच जगाएंगे?

# सहारनपुर मस्जिद ध्वस्तीकरण: मलबे में ईंटों पर लिखे मिले ये नंबर बने रहस्य, बढ़ गई उलझन, कुएं पर की बैरिकेडिंग

आर्यावर्त संवाददाता

**सहारनपुर।** सहारनपुर कलक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद को हटाए जाने के बाद मलबे को अलग-अलग स्थानों पर डलवाया गया है। मलबे में कई ईंटें ऐसी हैं, जिन पर नंबर अंकित मिले हैं, जो रहस्य बना हुआ है। प्रथम दृष्टया उन नंबरों को देखने से ऐसा लगता है जैसे वह वर्ष की ओर इशारा कर रही हो। हालांकि इस बात की पुष्टि नहीं की जा सकती। कई लोग इन्हें ईंटों के निर्माण वर्ष से जोड़कर देख रहे हैं। अब सुरक्षा की दृष्टि से मलबे के आसपास पुलिस तैनात की गई है।

दरअसल, शनिवार पांच सितंबर को कलक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद को प्रशासन ने बेदखली के आदेश के तहत ध्वस्त करा दिया था। इसके बाद देर शाम तक मलबे को कलक्ट्रेट परिसर स्थल से हटा दिया गया। हटाए गए मलबे में कई ईंटों पर 1909, 1911 और 43 समेत अन्य नंबर लिखे हैं।

इसके बाद मलबे से मिली ईंटों पर लिखे नंबर को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं भी शुरू हो गई हैं। कई लोग इसे मस्जिद प्रबंधन पक्ष के दावों को और पुख्ता होने की बात कह रहे हैं, वहीं जिन स्थानों पर मलबा डाला गया है वहां पर भी लोग इन ईंटों और मस्जिद के मलबे को देखने के लिए आ रहे हैं।

सोशल मीडिया पर चल रही वीडियो में लोग मलबे से ईंटें उठाकर ले जाते हुए भी दिखाई दिए। इस स्थिति को देखते हुए जिन-जिन स्थानों पर मलबे को डाला गया है। वहां पर पुलिस बल को तैनात किया गया है। मलबे को देखने के लिए आ रहे लोगों को पुलिस द्वारा रोका जा रहा है। साथ ही मलबे को तिरपाल से ढका भी गया है।

## कुएं को बैरिकेड लगाकर किया सुरक्षित

कलक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद के मलबे को हटाए जाने के बाद कुएं जैसी संरचना मिली थी। इसे सुरक्षित और संरक्षित रखने के लिए पुलिस द्वारा कुएं के चारों ओर बैरिकेड लगाए गए हैं। इसके साथ ही कलक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार के आगे किसी भी जाने की मनाही है।

जिन लोगों को कोषागार या फिर निर्वाचन कार्यालय में जाना है। उन्हें ही नवीन सभागार से आगे जाने दिया जा रहा है। इसके साथ ही कुएं के आसपास निगरानी के लिए आरआरएफ भी तैनात की गई है। सीसीटीवी भी लगाए गए हैं। साथ ही पुलिसकर्मी भी तैनात किए गए हैं।

**सोशल मीडिया पर साइबर सेल की टीम लगातार निगरानी कर रही है। आपत्तिजनक वीडियो या पोस्ट डालने पर नजर रखी जा रही है। माहौल बिगाड़ने का प्रयास करने वालों पर सख्ती से कार्रवाई होगी।**
**- व्योम बिंदल, एसपी सिटी**

## सहारनपुर मस्जिद प्रकरण : अधिकारियों के खिलाफ भड़काऊ पोस्ट, तीन अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज

सहारनपुर कलक्ट्रेट स्थित मस्जिद ध्वस्तीकरण के बाद सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट और वीडियो प्रसारित करने के मामले सामने आ रहे हैं। धार्मिक भावनाओं को भड़काने का प्रयास किया जा रहा है। इतना ही नहीं एक्स पर मस्जिद प्रकरण से जुड़े अधिकारियों पर जानलेवा हमला करने की भी पोस्ट डाली गई है। इन मामलों में शहर कोतवाली और थाना जनकपुरी पुलिस ने तीन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर निगरानी तेज कर दी है।

### केस एक

साइबर टीम प्रभारी उप निरीक्षक सतीश कुमार ने थाना जनकपुरी में तहरीर देकर बताया कि सात सितंबर को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की साइबर पेट्रोलिंग के दौरान फेसबुक पर राजा भाई नाम के पेज से वायरल एक वीडियो सामने आया। वीडियो की सामग्री में एक समुदाय विशेष के बीच धार्मिक भावनाएं भड़काने की बातें कही गई थीं। इसी दौरान एक्स पर एक अन्य व्यक्ति से की गई पोस्ट भी सामने आई है।

व्यक्ति ने सांसद चंद्रशेखर आजाद की पोस्ट को रि-पोस्ट करते हुए ऐसा कमेंट किया, जिसमें सहारनपुर के अधिकारियों समेत आरएसएस, डीएम और न्यायाधीश को निशाना बनाते हुए उन पर जानलेवा हमला करने के लिए कहा गया है। इस तरह की टिप्पणी से अधिकारियों के खिलाफ लोगों को उकसाने और जानलेवा हमले के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया गया।

### केस दो

दूसरा मामला शहर कोतवाली का है। सात सितंबर को उप निरीक्षक राजकुमार गौतम क्षेत्र में शांति व्यवस्था, हाउस अरेस्ट ड्यूटी और संदिग्ध वाहनों की चेकिंग में तैनात थे। इसी दौरान ट्विटर हैंडल पूजा माथुर से एक पोस्ट संज्ञान में आई।

पोस्ट में दावा किया गया था कि 120 साल पुरानी कलक्ट्रेट मस्जिद को बुलडोजर से गिराने के साथ ही कुरान पाक, जानमाज, टोपी, तस्वीर और इमाम के कपड़े भी मलबे के साथ ट्रक में भरकर फेंक दिए गए। पुलिस ने प्रथम दृष्टया पोस्ट को आपत्तिजनक बताया। इस मामले में पुलिस ने पूजा माथुर के खिलाफ प्राथमिकी की है।

### केस तीन

मस्जिद मामले में ही आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने के मामले में पुलिस ने यूट्यूब चैनल की एंकर पूजा माथुर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। यह मामला भी शहर कोतवाली में ही दर्ज हुआ है। उप निरीक्षक सत्येंद्र कुमार शर्मा को चेकिंग के दौरान यूट्यूब के माध्यम से रेड चिली लाइव नामक चैनल पर वायरल एक वीडियो मिला। इसमें कलक्ट्रेट मस्जिद से संबंधित सामग्री वायरल की गई थी। वीडियो के शीर्षक में सहारनपुर कलक्ट्रेट मस्जिद ढहने के बाद पहली बार मस्जिद के इमाम कैमरे पर लिखा था।

## 112 ग्राम स्मैक के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

**बल्दीराय/सुल्तानपुर।** अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बल्दीराय पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो युवकों को कुल 112 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों के कब्जे से अलग-अलग मात्रा में स्मैक बरामद हुई। एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर दोनों को विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक, 9 सितंबर की रात बल्दीराय पुलिस टीम पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के महुली अंडरपास पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान करीब रात 11 बजे जग्गी बाबा कुटी की ओर से तेज रफ्तार मोटरसाइकिल पर दो युवक आते दिखाई दिए। पुलिस को देखकर दोनों ने अचानक मोटरसाइकिल मोड़कर पीछे भागने का प्रयास किया। संदेह होने पर पुलिस टीम ने उन्हें रोककर पूछताछ और तलाशी ली।

## अनुदानित महाविद्यालयों के स्ववित्त पोषित शिक्षक वापस करेंगे कैशलेस कार्ड

आर्यावर्त संवाददाता

**सुलतानपुर।** अनुदानित महाविद्यालयों में स्ववित्त पोषित योजना के अंतर्गत काम कर रहे शिक्षकों ने अपनी मांगे न माने जाने पर मुख्यमंत्री कैशलेस योजना का बहिष्कार कर दिया है। गनपत सहाय पीजी कालेज के असिस्टेंट प्रोफेसर व डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अनुदानित महाविद्यालय स्ववित्त पोषित शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ जीतेन्द्र तिवारी ने बृहस्पतिवार को जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन में कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सहायता प्राप्त महाविद्यालयों में लगभग पच्चीस वर्ष से अनुमोदित शिक्षक अत्यंत अल्प वेतन पर पूरी निष्ठा व समर्पण के साथ कार्य कर रहे हैं। इन शिक्षकों ने हमेशा न्यूनतम वेतनमान या विनियमितीकरण की मांग की है जिसे दरकिनार करते हुए सरकार ने कैशलेस का वह झुनझुना पकड़ा दिया है जिसे कभी हमने मांगा ही नहीं था। डॉ त्रिपाठी ने कहा कि वोट बैंक की राजनीति के लिए सरकार फ्री स्कूटी फ्री मोबाइल आदि बांटने में रुपये का दुरुपयोग कर रही है। इस तरह की योजनाओं में व्यय होने वाली धनराशि से काफी कम खर्च करके अनुदानित महाविद्यालयों के स्ववित्त पोषित शिक्षकों के भविष्य ,वेतन और सेवा सुरक्षा को लेकर योजना बनाई जा सकती है। पूरे प्रदेश के सरकारी डिग्री कालेजों में पढ़ा रहे स्ववित्त पोषित शिक्षकों ने अपनी मांगे न माने जाने तक कैशलेस योजना के बहिष्कार का निर्णय लिया है। संगठन के जिला अध्यक्ष और संत तुलसीदास पीजी कालेज के हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ करुणेश भट्ट ने कहा कि एक तरफ शिक्षक जीने का आधार मांग रहा है तो दूसरी तरफ सरकार के नुमाइंदे बिना मांगे शिक्षकों को अस्पताल का रास्ता दिखा रहे हैं।

## नौकरी लगवाने का झांसा देकर युवती से किया दुष्कर्म, अखिल भारतीय गो रक्षा परिषद के पदाधिकारी पर आरोप

आर्यावर्त संवाददाता

**बरेली।** बरेली में नौकरी लगवाने का झांसा देकर फार्म हाउस में युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़ित युवती ने गांव लखीमपुर निवासी हेमंत गंगवार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। वह अखिल भारतीय गो रक्षा परिषद का संगठन प्रमुख है।

युवती ने पुलिस को बताया कि गांव लखीमपुर का हेमंत गंगवार से उसकी बातचीत होती थी। आरोप है कि हेमंत ने लखनऊ में नौकरी लगवाने के बहाने बुलाया था। कहने के मुताबिक वह मंगलवार शाम भाई के साथ लखीमपुर में हेमंत के फार्म हाउस पर गई। भाई उसे छोड़कर लौट गया था।

### फार्म हाउस में ले जाकर किया दुष्कर्म

आरोप है कि हेमंत युवती को बाइक से इज्जतनगर रेलवे स्टेशन ले गया। ट्रेन न आने का बहाना बनाकर फार्म हाउस वापस ले गया। वहां दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपी बुधवार सुबह 4:00 बजे फिर इज्जतनगर रेलवे स्टेशन ले आया। युवती ने ट्रेन में टीटीई को आपबीती बताई।

पीलीभीत जीआरपी ने आरोपी को पकड़ना चाहा लेकिन वह भाग गया। इसके बाद युवती ने शीशगढ़ लौटकर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। सीओ बहेड़ी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। युवती का मेडिकल कराया जाएगा। साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

## संक्षेप

### थानाध्यक्ष के घर से लाखों के जेवर चोरी

जौनपुर। मड़ियाहूं तहसील क्षेत्र के जमालापुर चैकी अंतर्गत मनापुर बंजारी गांव में सोनभद्र के बभनी में तैनात थानाध्यक्ष अरविंद कुमार सरोज के घर को चोरों ने लाखों के जेवरात पार कर दिया। बताते है कि चोरी बीती रात मुख्य दरवाजा नहीं खुला तो साइड वाले कमरे की कुंडी काटकर चोर घर में घुसे और दो कमरों में रखे बेड और अन्य स्थानों को खंगाला तथा वहां से करीब 20 हजार रुपये नकद समेत सोने-चांदी के जेवरात जिसमें सोने की चूड़ियां, अंगूठियां, झुमके, चेन समेत चांदी के आभूषण भी चोर उठा ले गये। घटना के वक्त घर में कोई मौजूद नहीं था। सूचना पर जमालापुर चैकी प्रभारी रामाश्रय कुशवाहा पुलिस टीम के साथ पहुंचे।फोरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए।

### नदी में डूबने से युवक की मौत

जौनपुर। सुजानगंज थाना क्षेत्र के भैसहां रामपुर गांव में गुरूवार को शौच करने गये 23 वर्षीय राजू वनवासी पुत्र केदारनाथ वनवासी की पैर फिसलने के कारण नदी में गिरकर डूबने से मौत हो गई। राजू शौच करने सुबह घर के बगल स्थित नदी पर गया हुआ था जहां उसका पैर फिसल गया जिसके चलते उसकी नदी में डूबने से मौत हो गई। वहीं आसकृपास मौजूद युवकों ने आनन-फानन में राजू के घर सूचना दिया जिस पर पहुंचे घर वालों ने देखा तो उसका शव पानी के उपर आ गया था। इसके बाद घर वालों ने शव को नदी से बाहर निकाला तथा थाना पुलिस को सूचित किया। तत्पश्चात उ.नि. मनोज सिंह मयफोर्स मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेते हुये अन्त्य परीक्षण के लिये जिला अस्पताल भेज दिया। साथ ही मौके पर राजस्व विभाग की टीम भी पहुंचकर आवश्यक कार्यवाही।

### षराबी को पकड़ने में पुलिस को छूटे पसीन

जौनपुर । बदलापुर थाना क्षेत्र के ऊदपुर गेल्हवां गांव में एक व्यक्ति को पकड़ने पहुंची पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। एक ही व्यक्ति को काबू करने में तीन पुलिसकर्मियों के पसीने छूट गए। पुलिसकर्मियों ने व्यक्ति को पकड़कर थाने ले जाने का प्रयास किया, लेकिन वह पुलिस के चंगुल से छूटकर भाग निकला। पुलिसकर्मी सड़क से लेकर खेतों तक उसके पीछे दौड़ लगाते नजर आए। इस दौरान व्यक्ति को पकड़ने और काबू करने की कोशिश का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में पुलिसकर्मी व्यक्ति के साथ मारपीट करते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने बताया कि व्यक्ति के शराब पीकर आए दिन हंगामा करने और हरकतों से परेशान होकर उसके बेटे ने पुलिस से शिकायत की थी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और व्यक्ति को पकड़कर थाने ले जाने लगी। इसी दौरान उसने पुलिसकर्मियों से खुद को छुड़ाया और भागने लगा।

### महिला का गला दबाने के आरोपियों पर केस

जौनपुर। सिकरारा थाना क्षेत्र के ग्राम सभा कुरनी से मारपीट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में एक व्यक्ति द्वारा महिला का गला दबाते हुए दिखाई देने का दावा किया जा रहा है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। कुरनी गांव निवासी रेनू प्रजापति अपने मायके में रहती हैं। आरोप है कि उनके पटीदार श्याम सुंदर प्रजापति द्वारा बार-बार उनके साथ मारपीट और प्रताड़ति किया जाता है। आरोप यह भी है कि श्याम सुंदर उन्हें वहां से जाने के लिए दबाव बनाता है।बताया गया कि घटना के दौरान भी किसी बात को लेकर महिला के साथ मारपीट की गई। इसी बीच मौके पर मौजूद किसी व्यक्ति ने 112 नंबर पर सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आरोपी को पकड़कर थाने ले गई।पुलिस ने बताया कि वायरल वीडियो की पुष्टि करते हुए मामले में श्याम सुंदर प्रजापति, उसकी पत्नी कंचन तथा उसकी दो बेटियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पीड़ति को चिकित्सकीय परीक्षण के लिए भेजा गया है। पुलिस मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

## संदेश फाउंडेशन के अध्यक्ष ने अपने जन्मदिन के मौके पर किया रक्तदान

आर्यावर्त संवाददाता

**सुलतानपुर।** संदेश फाउंडेशन के अध्यक्ष एंव पत्रकार प्रदीप यादव ने अपने जन्मदिन को यादगार बनाने के उद्देश्य से रक्तदान कर समाजसेवा की मिसाल पेश की। उन्होंने राजकीय स्वाशासी मेडिकल कॉलेज के ब्लड बैंक में रक्तदान करते हुए लोगों से भी जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आने और नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील की। पत्रकार प्रदीप यादव ने कहा कि रक्तदान महादान है। हमारे द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। जन्मदिन जैसे विशेष अवसरों को केवल उत्सव तक सीमित न रखकर समाजहित के कार्यों से जोड़ना चाहिए।इस अवसर पर डाक्टर रवींद्र यादव ने प्रशस्तिपत्र देकर पत्रकार प्रदीप को सम्मानित किया ,ब्लड बैंक काउन्सलर अनुराग पाण्डेय और उनके स्टाप एंव हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एड् कुलदीप जनवादी, जिलापंचायत सदस्य प्रत्याशी राजेश यादव , एड् भानु प्रताप यादव , एड् चंद्र शेन , पत्रकार विनोद यादव , जय सिंह , दिनेश सिंह यादव,शेष यादव ,मोनू सहित मौजूद लोगों ने प्रदीप यादव के इस पहल की सराहना की और उनके स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। रक्तदान के बाद उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को मानवता की सेवा के लिए अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

## रामकथा संग्रहालय में पहली बार सेवन डी तकनीक, एक शो में 30 दर्शक देख सकेंगे हनुमान जी की शौर्य गाथा

आर्यावर्त संवाददाता

**अयोध्या।** फिल्मों में सेवन डी तकनीक के इस्तेमाल के बाद अब संग्रहालय में पहली बार पूरी गैलरी को इस तकनीक पर आधारित किया जा रहा है। सरयू तट पर विकसित हो रहे अंतरराष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय में तैयार हो चुकी संकट मोचन गैलरी में हनुमान जी की शौर्य गाथा को सेवन डी तकनीक के जरिये सजीव रूप में प्रदर्शित किया जाएगा। दावा है कि दुनिया के किसी संग्रहालय की पूरी गैलरी को सेवन डी तकनीक पर आधारित करने का यह पहला प्रयोग है।

सेवन डी तकनीक का प्रयोग फिल्मों और मनोरंजन से जुड़े अन्य माध्यमों में पहले से होता रहा है। कुछ संग्रहालयों में भी इसके प्रयोग किए गए हैं, लेकिन पूरी गैलरी को सेवन डी तकनीक पर आधारित करने का यह दुनिया में पहला संग्रहालय होने का दावा किया जा रहा है। गैलरी में हनुमान जी की शौर्य गाथा नाम की पटकथा के जरिये रामायण के विभिन्न प्रसंगों को प्रदर्शित किया जाएगा।

द्रोणागिरी पर्वत से संजीवनी बूटी लाने, लंका दहन, अशोक वाटिका और लंका युद्ध जैसे प्रसंग दर्शकों को इस तरह दिखाए जाएंगे कि उन्हें घटनाएं अपनी आंखों के सामने घटित होती महसूस होंगी। सेवन डी तकनीक के जरिये दृश्य, ध्वनि, प्रकाश, कंपन और सुगंध का संयोजन कर दर्शकों को रामायण युग की अनुभूति कराने की तैयारी है।

### एक शो में 30 दर्शक देख सकेंगे गाथा

संग्रहालय के निदेशक डॉक्टर संजीव सिंह ने बताया कि संकट मोचन गैलरी में हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में हनुमान जी की शौर्य गाथा का प्रदर्शन होगा। इसकी पटकथा करीब 25 से 30 मिनट की है। गैलरी में 30 सीटों की व्यवस्था है और एक बार में करीब 30 दर्शक गाथा का अनुभव कर सकेंगे। इसके लिए गैलरी में टिकट व्यवस्था लागू करने की तैयारी चल रही है। टिकट के जरिये दर्शकों को निर्धारित शो में प्रवेश दिया जाएगा।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की टीम अयोध्या पहुंचकर गैलरी का निरीक्षण कर चुकी है। टीम सेवन डी तकनीक के मानकों के आधार पर गैलरी की जांच कर रही है कि वह निर्धारित तकनीकी मानकों पर खरी उतरती है या नहीं। तकनीकी जांच पूरी होने के बाद टीम अपनी जांच रिपोर्ट और प्रमाणपत्र देगी। इसके बाद गैलरी को राम मंदिर ट्रस्ट को हैंडओवर किया जाएगा। हैंडओवर के बाद श्रद्धालुओं के लिए गैलरी को कब खोला जाना है, इसका निर्णय राम मंदिर ट्रस्ट करेगा।
**-डॉ. संजीव सिंह, निदेशक, रामकथा संग्रहालय**

## कानपुर मंडल में फिर सक्रिय हुआ मानसून, आज से बारिश के आसार ; इन जिलों में गरज-चमक के साथ बरसेंगे बादल

आर्यावर्त संवाददाता

**कानपुर।** कानपुर नगर और कानपुर देहात में 10 सितंबर को अधिकतम तापमान 33 से 34 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान करीब 27 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। दोपहर बाद से शाम तक गरज-चमक के साथ आंधी और बारिश की संभावना है। कुछ इलाकों में तेज बौछारें भी पड़ सकती हैं।

11 और 12 सितंबर को तापमान में मामूली गिरावट आने की संभावना है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 31 से 32 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। बारिश और गरज-चमक का दौर जारी रहने के आसार हैं। शनिवार से मौसम में धीरे-धीरे सुधार शुरू हो सकता है।

इटावा में 10 सितंबर को दिन के समय मौसम मुख्य रूप से साफ और धूप वाला रहने का अनुमान है।

अधिकतम तापमान 35.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27.2 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। आज बारिश की संभावना करीब 4 फीसदी है।

हालांकि, 11 सितंबर से मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। शुक्रवार को बादल छाने के साथ तापमान गिरकर करीब 33.9 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। इस दौरान हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है।

### औरैया में रात को तेज बौछारों की संभावना

औरैया में 10 सितंबर को दिनभर मुख्य रूप से बादल छाए रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान करीब 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। रात के समय गरज-चमक के साथ तेज बौछारें पड़ने की संभावना है। 11 सितंबर को बारिश का असर और बढ़ सकता है। गरज-चमक के साथ बारिश होने का अनुमान है, जिससे अधिकतम तापमान गिरकर करीब 31 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

### कन्नौज-फर्रुखाबाद में उमस के बाद बारिश के आसार

कन्नौज और फर्रुखाबाद में 10 सितंबर को उमस भरी गर्मी बनी रह सकती है। दोनों जिलों में अधिकतम तापमान 33 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। शाम या रात के समय स्थानीय स्तर पर बादल विकसित होने से हल्की बारिश हो सकती है। 11 सितंबर को दोनों जिलों में हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं। बारिश के कारण तापमान में गिरावट आने और लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिलने की संभावना है।

### मंडल में अगले कुछ दिन ऐसा रहेगा मौसम

कानपुर मंडल में फिलहाल मानसून की सक्रियता बनी रहने की संभावना है। अलग-अलग जिलों में बारिश की तीव्रता में अंतर हो सकता है। कहीं हल्की बूंदाबांदी तो कहीं गरज-चमक के साथ मध्यम से तेज बौछारें पड़ सकती हैं। मौसम में बदलाव के बीच लोगों को स्थानीय मौसम अपडेट पर नजर रखने की सलाह दी गई है।

### षाणपति बप्पा मोरया पूजा समिति पुर्नगठित

**जौनपुर।** नगर पंचायत जफराबाद आगामी 15 सितम्बर से 20 सितम्बर तक गणपति बप्पा मोरया के जयकारे से गुंजायमान रहेगा। गणपति बप्पा मोरया पूजा समिति जफराबाद के कार्यकर्ताओं द्वारा कस्बे के नासही मोहल्ले में पूरे विधि विधान से विघ्न राज गणेश जी की प्रतिमा आगामी 15 सितम्बर को स्थापित करेंगे। पुरोहित ब्रम्हानन्द मिश्र द्वारा विधिपूर्वक प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम सम्पन्न कराया जायेगा। रमाशंकर साहू उर्फ बबलू पत्नी सहित पूजा के संकल्पित यजमान होंगे। गणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन आगामी 20 सितम्बर दिन रविवार को भव्य शोभायात्रा के साथ किया जायेगा। मीडिया प्रभारी बृजनन्दन स्वरूप ने बताया कि उक्त गणेश पूजन हेतु समिति को पुर्नगठित की गई है, जिसमें पूर्व सभासद चन्द्रशेखर सरोज को अध्यक्ष, संजय शर्मा, उदित साहू उर्फ मोनू को उपाध्यक्ष, ईशान्त शर्मा, डा0 अतुल गुप्ता, दिनेश निगम को संरक्षक एवं जयहिन्द सेठ को पंडाल प्रभारी बनाया गया।

# मैग्नीशियम की कमी को हल्के में लेना पड़ेगा भारी

## भारतीयों में विटामन्स और मिनरल्स की कमी आजकल कॉमन हो गई है। विटामिन बी12 या डी पर ज्यादा फोकस किया जाता है पर क्या आप जानते हैं कि मैग्नीशियम भी कितना जरूरी है।

भारतीयों में विटामिन्स और मिनरल्स की कमी एक कॉमन प्रॉब्लम बन गई है। वैसे ज्यादातर लोग विटामिन डी और बी12 की कमी को पूरा करने पर फोकस करते हैं। इनमें से जरूरी मैग्नीशियम पर भी ध्यान देना जरूरी है। ऋचा शर्मा (कंसल्टेंट डायटेटिक्स, कैलाश दीपक हॉस्पिटल) कहती हैं कि बॉडी में अगर मैग्नीशियम अगर कम है तो मांसपेशियों में ऐंठन, टांगों में खिंचाव, दर्द, मरोड़ होना, थकान और कमजोरी रहने लगती है।

मैग्नीशियम की से क्या कैंसर का डर रहता है? इसको लेकर ऐसे सवाल भी लोगों के बीच पॉपुलर हैं। इस आर्टिकल में एक्सपर्ट के जरिए जानें इससे जुड़ी कुछ जरूरी बातें...

### इसकी कमी होने पर क्या होता है?

एक्सपर्ट कहती हैं कि जब शरीर में मैग्नीशियम की कमी होती है, तो शरीर कुछ संकेत देने लगता है, हालांकि शुरुआत में ये हमेशा आसानी से समझ नहीं आते। आपको जरूरत से ज्यादा थकान या कमजोरी महसूस हो सकती है, भूख कम लग सकती है, मतली हो सकती है या मांसपेशियों में ऐंठन और खिंचाव महसूस हो सकता है। कुछ लोगों को हाथ पैरों में झनझनाहट या सुन्नपन भी महसूस हो सकता है। हालांकि, अगर कमी ज्यादा बढ़ जाए, तो इसका असर हमारी नसों, मांसपेशियों और दिल के काम करने के तरीके पर भी पड़ सकता है।

कुछ गंभीर मामलों में दौरे पड़ सकते हैं या दिल की धड़कन अनियमित हो सकती है। मैग्नीशियम शरीर में कैल्शियम और पोटैशियम जैसे मिनरल्स का संतुलन बनाए रखने में भी मदद करता है। इसलिए, अगर ये लक्षण लगातार बने रहें, तो इन्हें नजरअंदाज करने के बजाय जांच कराना जरूरी है।

### क्या कमी से कैंसर का डर रहता है?

इसे थोड़ा ध्यान से समझना जरूरी है। फिलहाल हम यह नहीं कह सकते कि मैग्नीशियम की कमी सीधे तौर पर कैंसर का कारण बनती है। हालांकि, कुछ रिसर्च में मैग्नीशियम का स्तर कम होने और कुछ तरह के कैंसर के खतरे के बीच संभावित संबंध को लेकर बात की गई है। मैग्नीशियम शरीर में सूजन को नियंत्रित करने, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को मैनेज करने और डीएनए की मरम्मत जैसी प्रक्रियाओं में भूमिका निभाता है। जब इन प्रक्रियाओं में गड़बड़ी होती है, तो यह ऐसी स्थितियों से जुड़ सकती है, जिनका संबंध कैंसर के विकास से देखा गया है।

हालांकि, इस पर रिसर्च अभी पूरी तरह साफ नहीं है और कई सवालों के जवाब मिलने बाकी हैं। इसलिए, सीधे तौर पर कोई संबंध साबित करने के लिए और रिसर्च की जरूरत है। फिलहाल, शरीर में मैग्नीशियम का सही स्तर बनाए रखना आपकी ओवरऑल हेल्थ के लिए जरूरी है।

### कमी को पूरा करने के लिए क्या खाना चाहिए?

अच्छी बात यह है कि मैग्नीशियम हमें रोजमर्रा के कई खाने की चीजों से मिल सकता है। आप बादाम और काजू जैसे नट्स खा सकते हैं, वहीं कद्दू के बीज और तिल जैसे सीड्स भी अच्छे ऑप्शन हैं। हरी पत्तेदार सब्जियां, खासकर पालक, मैग्नीशियम का अच्छा स्रोत हैं। इसके अलावा, बीन्स, चना, दालें और साबुत अनाज भी आपकी मैग्नीशियम की जरूरत पूरी करने में मदद कर सकते हैं। अगर हम इंडियन डाइट की बात करें, तो राजमा, चना, बाजरा और रागी को भी अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

एवोकाडो और डार्क चॉकलेट में भी मैग्नीशियम होता है। तो किसी एक चीज पर निर्भर रहने के बजाय, इन चीजों को अलग अलग तरीके से अपनी डाइट में नियमित रूप से शामिल करना बेहतर रहता है। आमतौर पर, यही मैग्नीशियम की जरूरत पूरी करने का सबसे आसान तरीका है।

### किन चीजों से मिलता है मैग्नीशियम?

मैग्नीशियम की जरूरत पूरी करने के लिए संतुलित आहार में हरी पत्तेदार सब्जियां, दालें और बीन्स, मेवे और बीज, साबुत अनाज तथा कुछ फलों को शामिल किया जा सकता है। कद्दू के बीज, बादाम, काजू और पालक इसके अच्छे आहार स्रोतों में शामिल हैं।

### मैग्नीशियम की कमी के प्रमुख संकेत

**1. मांसपेशियों में ऐंठन**

मैग्नीशियम की कमी होने पर कुछ लोगों को मांसपेशियों में खिंचाव, ऐंठन या फड़कने जैसी समस्या महसूस हो सकती है। खासकर पैरों में बार-बार क्रैम्प परेशान कर सकते हैं।

**2. लगातार थकान और कमजोरी**

बिना ज्यादा मेहनत के भी थकान महसूस होना या शरीर में कमजोरी रहना मैग्नीशियम की कमी से जुड़ा हो सकता है। हालांकि, थकान के पीछे नींद की कमी, तनाव, एनीमिया या अन्य कारण भी हो सकते हैं।

**3. हाथ-पैर में झुनझुनी**

कुछ मामलों में मैग्नीशियम की कमी से हाथ-पैर में झुनझुनी या सुन्नपन जैसा महसूस हो सकता है।

**4. भूख कम लगना और मतली**

मैग्नीशियम का स्तर बहुत कम होने पर भूख कम लगना, मतली या उल्टी जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं।

**5. दिल की धड़कन में बदलाव**

गंभीर मैग्नीशियम की कमी शरीर के इलेक्ट्रोलाइट संतुलन को प्रभावित कर सकती है और दिल की धड़कन के सामान्य रिदम पर असर डाल सकती है। ऐसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

**6. मूड और मानसिक स्थिति पर असर**

बहुत कम मैग्नीशियम होने पर चिड़चिड़ापन, बेचैनी या मानसिक स्थिति में बदलाव जैसे लक्षण भी सामने आ सकते हैं। लेकिन इन समस्याओं के कई अन्य कारण भी हो सकते हैं।

### क्या मैग्नीशियम सप्लीमेंट लेना चाहिए?

बिना डॉक्टर की सलाह के मैग्नीशियम सप्लीमेंट लेना सही नहीं है। जरूरत से ज्यादा सप्लीमेंट लेने से दस्त, मतली और पेट संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। वहीं, किडनी की बीमारी वाले लोगों को विशेष सावधानी की जरूरत होती है। अगर मांसपेशियों में लगातार ऐंठन, कमजोरी, झुनझुनी या दिल की धड़कन असामान्य महसूस हो रही है, तो डॉक्टर से सलाह लेकर उचित जांच करानी चाहिए। सही कारण पता लगने के बाद ही सप्लीमेंट या उपचार का फैसला करना बेहतर होता है।

मैग्नीशियम शरीर के लिए जरूरी है, लेकिन इसकी कमी के लक्षण कई अन्य स्थितियों में भी दिखाई दे सकते हैं। इसलिए केवल लक्षण देखकर खुद से निष्कर्ष निकालने के बजाय संतुलित आहार पर ध्यान दें और लगातार समस्या रहने पर विशेषज्ञ की सलाह लें।

# टोट बैग खरीदने जा रहे हैं तो इन बातों का रखें खास ध्यान, होगा सही चयन

टोट बैग एक ऐसा फैशनेबल और काम में आने वाला बैग है, जिसे आप किसी भी अवसर पर इस्तेमाल कर सकते हैं। यह न केवल आपके कपड़ों के साथ मेल खाता है, बल्कि रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी आदर्श होता है। हालांकि, सही टोट बैग चुनना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ सरल और प्रभावी फैशन टिप्स देंगे, जिनसे आप अपने लिए एक बेहतरीन टोट बैग चुन सकते हैं।

### आकार और बनावट पर ध्यान दें

जब भी आप टोट बैग खरीदने जाएं तो सबसे पहले उसके आकार और बनावट पर ध्यान दें। छोटे आकार के बैग रोजमर्रा के छोटे सामानों के लिए अच्छे होते हैं।

वहीं, बड़े आकार के बैग बड़े सामान, जैसे किताबें रखने के लिए उपयुक्त होते हैं। इसके अलावा बैग की बनावट भी अहम होती है।

चौकोर आकार वाले बैग अधिक सामान समेटने में मदद करते हैं, जबकि गोल आकार वाले बैग अधिक स्टाइलिश लगते हैं।

### सामग्री का चयन समझदारी से करें

टोट बैग की सामग्री भी बहुत अहम होती है। कपड़े, लेदर या प्लास्टिक, हर सामग्री की अपनी खासियत होती है।

कपड़े के बैग हल्के होते हैं और आसानी से साफ किए जा सकते हैं, जबकि लेदर के बैग अधिक टिकाऊ होते हैं। प्लास्टिक के बैग पानी से बचाने वाले होते हैं, लेकिन पर्यावरण के लिए नुकसानदायक होते हैं।

इसलिए, अपनी जरूरतों और पर्यावरण के प्रति जागरूकता को ध्यान में रखते हुए सामग्री का चयन करें।

### रंगों का मेल मिलान करें

टोट बैग का रंग भी आपके कपड़ों के साथ मेल खाना चाहिए, ताकि आपका लुक संपूर्ण लगे। अगर आप रोजमर्रा की पोशाक में साधारण कपड़े पहनती हैं तो चमकीले रंग का बैग आपके लुक में नयापन ला सकता है।

वहीं, अगर आपकी पोशाक पहले से ही रंगीन होती है तो सादे रंग वाला बैग बेहतर रहेगा। इसके अलावा आप अपनी व्यक्तिगत पसंद और मौसमी चलन को भी ध्यान में रख सकती हैं।

### पक्की सिलाई और हैंडल पर गौर फरमाएं

बैग की पक्की सिलाई और मजबूत हैंडल बहुत जरूरी होते हैं, ताकि वह भारी सामान को आसानी से सहन कर सके। कमजोर सिलाई वाले या पतले हैंडल वाले बैग जल्दी टूट सकते हैं और आपकी चीजें गिर सकती हैं, जिससे अनचाही परेशानी हो सकती है।

इसलिए, हमेशा पक्की सिलाई और मजबूत हैंडल वाले बैग चुनें, ताकि वे लंबे समय तक टिक सकें और आपका सामान सुरक्षित रहे। कपड़े वाले बैग ले रहे हैं तो मोटाई पर ध्यान दें।

# कंसीलर खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान, मिलेगा सही शेड

कंसीलर एक ऐसा मेकअप उत्पाद है, जो आंखों के नीचे के काले घेरे, मुंहासों के निशान और अन्य असमानताओं को छिपाने में मदद करता है। सही कंसीलर चुनना थोड़ा मुश्किल हो सकता है, क्योंकि बाजार में कई तरह के शेड और फॉर्मूले होते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी मेकअप टिप्स देंगे, जिनकी मदद से आप अपने लिए सही कंसीलर चुन सकती हैं और अपने चेहरे को बेहतरीन तरीके से सजा सकती हैं।

### अपनी त्वचा का अंडर टोन जानें

सही कंसीलर चुनने के लिए सबसे पहले अपनी त्वचा का अंडर टोन जानना जरूरी है। अगर आपकी त्वचा का टोन गर्म है तो पीले या सुनहरे शेड वाले कंसीलर चुनें।

ठंडे टोन वाली महिलाओं को गुलाबी या नीले शेड वाले कंसीलर अच्छे लगते हैं। न्यूट्रल टोन वाली महिलाओं के लिए मिक्स शेड वाले कंसीलर बेहतर होते हैं।

इससे आपका मेकअप प्राकृतिक लगेगा और आपकी त्वचा की खामियां आसानी से छिप जाएंगी।

### अपनी त्वचा का प्रकार समझें

आपकी त्वचा का प्रकार भी कंसीलर चुनते समय अहम भूमिका निभाता है। अगर आपकी त्वचा तैलीय है तो मैट फिनिश वाला कंसीलर चुनें, जो अतिरिक्त तेल को सोख लेगा और लंबे समय तक सही रहेगा।

सूखी त्वचा वालों को क्रीम बेस्ड या नमी देने वाला कंसीलर चुनना चाहिए, जो उनकी त्वचा को सूखने से बचाए। संवेदनशील त्वचा वालों को एलर्जी से बचाने वाला कंसीलर चुनना चाहिए, जो उनकी त्वचा पर आरामदायक महसूस हो।

### रोशनी का ध्यान रखें

कंसीलर खरीदते समय रोशनी का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। दुकान में हमेशा प्राकृतिक रोशनी में कंसीलर टेस्ट करें, ताकि आपको सही रंग का पता चल सके।

कृत्रिम रोशनी में रंग अलग दिख सकते हैं, इसलिए हमेशा दिन के समय या खिड़की के पास खड़े होकर कंसीलर चुनें। इससे आपको सही रंग का पता चलेगा और आपका मेकअप प्राकृतिक लगेगा।

इस तरह आप अपने चेहरे की खामियों को छिपाने और उसे बेहतरीन बनाने में सफल होंगी।

### फॉर्मूला चुनें

कंसीलर के फॉर्मूले पर भी ध्यान देना चाहिए। अगर आपको लंबे समय तक टिकाऊ मेकअप चाहिए तो स्टिक या क्रीम कंसीलर चुनें, जो पूरे दिन सही रहे।

वहीं, अगर आपको हल्की और आरामदायक फिनिश चाहिए तो तरल कंसीलर बेहतर रहेगा। इसके अलावा नमी देने वाला या मैट फिनिश कंसीलर भी अच्छे विकल्प हो सकते हैं।

अपनी जरूरतों और त्वचा प्रकार के अनुसार सही फॉर्मूला चुनें, ताकि आपका मेकअप लंबे समय तक सही रहे और आप सुंदर दिखें।

### पैकेजिंग पर गौर करें

अंतिम, लेकिन अहम बात, कंसीलर की पैकेजिंग पर गौर करें। ऐसी पैकेजिंग चुनें, जो इस्तेमाल करने में आसान हो और जरूरत पडने पर आसानी से खोली जा सके।

ट्यूब या पंप डिस्पेंसर वाली पैकेजिंग बेहतर होती है, क्योंकि इन्हें नियंत्रण में रखकर इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके अलावा ऐसी पैकेजिंग से उत्पाद की मात्रा का पता लगाना भी आसान होता है।

इस तरह आप सही कंसीलर चुन सकते हैं और अपने चेहरे को बेहतरीन तरीके से सजा सकते हैं।

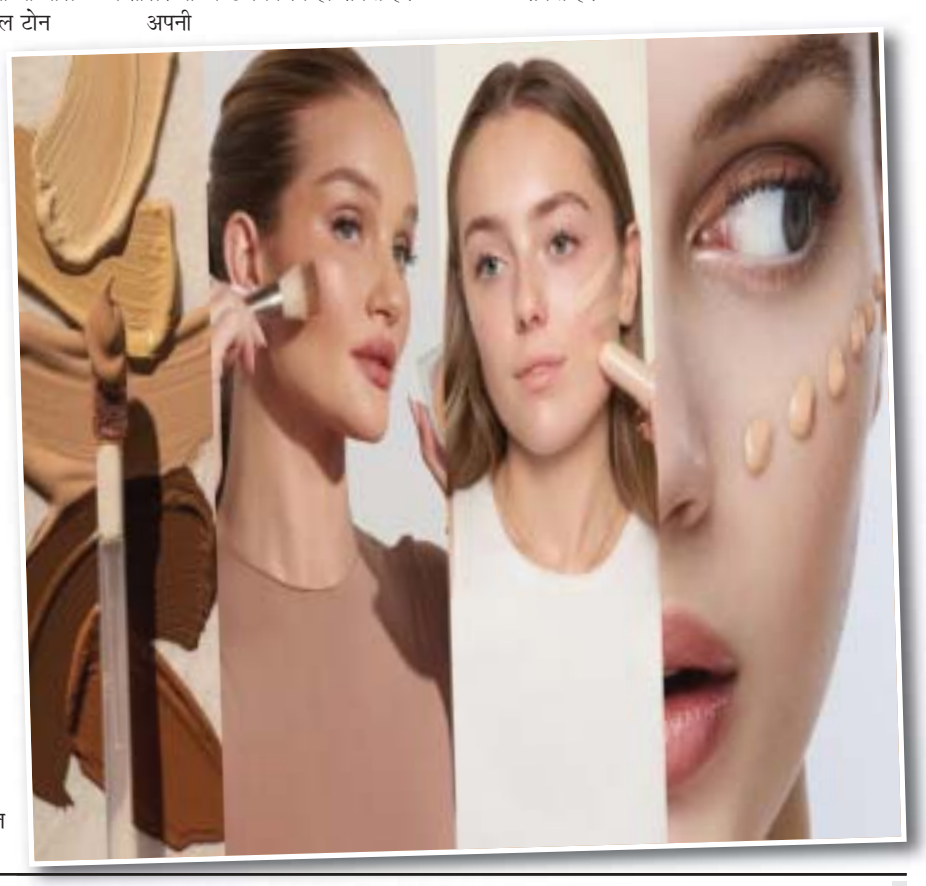

# अदाणी एयरपोर्ट्स ने विस्तार के लिए वैश्विक निवेशकों से जुटाए 9,825 करोड़ रुपए

अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) ने बुधवार को ऐलान किया कि उसने वैश्विक निवेशकों के एक कंसोर्टियम से प्राइमरी इक्विटी कैपिटल के रूप में 9,825 करोड़ रुपए (एक अरब डॉलर) जुटाए हैं।

अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एआईएल) की सहायक कंपनी एएएचएल ने कहा कि उनसे 18 अरब डॉलर की वैल्यूएशन पर अल्फा वेव ग्लोबल, प्रेमजी इन्वेस्ट, टेमासेक और ब्लैकरॉक द्वारा मैनेज किए जाने वाले फंड्स से 9,825 करोड़ रुपए जुटाए हैं।

अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड के नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, जीत अदाणी ने कहा, यह साझेदारी अदाणी एयरपोर्ट्स प्लेटफॉर्म को बनाने की दिशा में एक अहम पड़ाव है और इस सफर में हमारे साथ इतने बड़े और लंबे समय के लिए निवेश करने वाले निवेशक पाकर हम खुद को सौभाग्यशाली मानते हैं।

उन्होंने कहा कि भारत का एविएशन सेक्टर देश की जीडीपी ग्रोथ को तेजी से बढ़ाने वाले सबसे अहम सेक्टर में से एक है। एयर कनेक्टिविटी में हर विस्तार से एयरपोर्ट गेट के बाहर भी व्यापार, पर्यटन, रोजगार और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलता है।

जीत अदाणी ने कहा, इन पार्टनर्स के सहयोग से, हम इस ग्रोथ से पहले ही निवेश करना जारी रखेंगे। हम अपने इंफ्रास्ट्रक्चर, शहर-स्तर के डेवलपमेंट और नॉन-एरोनॉटिकल बिजनेस को बड़ा करेंगे ताकि दुनिया के सबसे बेहतरीन इंटीग्रेटेड एयरपोर्ट प्लेटफॉर्म में से एक बनाया जा सके।

इस फंड का इस्तेमाल एएएचएल के पोर्टफोलियो में एयरपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार और आधुनिकीकरण, एयरपोर्ट के आस-पास इंटीग्रेटेड अदाणी एयरपोर्ट सिटी इकोसिस्टम के डेवलपमेंट में तेजी लाने (जिसके पहले चरण में 22 मिलियन स्क्वायर फीट में मिक्स्ड-यूज डेवलपमेंट की योजना है) और यात्रियों से जुड़े और अन्य नॉन-एरोनॉटिकल बिजनेस (जैसे ग्राउंड हैंडलिंग बिजनेस) को बढ़ाना के लिए किया जाएगा।

कंपनी ने कहा कि इन निवेशों से सालाना 20 करोड़ (200 मिलियन) यात्रियों को सेवा देने की क्षमता बढ़ने, कमर्शियल कमाई के मौके बढ़ाने, यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने और एएएचएल के इंटीग्रेटेड एयरपोर्ट इकोसिस्टम को और मजबूत करने की उम्मीद है।

एएएचएल के सीईओ अरुण बंसल ने कहा, हम एएएचएल को दुनिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट प्लेटफॉर्म बनाने के लिए इसकी क्षमताएं बढ़ाना जारी रखेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि इस लक्ष्य को भारत में तेजी से बढ़ते मौकों, भारतीय ग्राहकों की बढ़ती खर्च करने की क्षमता और देश के बड़े शहरी केंद्रों में हमारे सिटी-साइड डेवलपमेंट से बढ़ावा मिल रहा है, जो आर्थिक विकास में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

यह डील जुलाई 2026 में एईएल के सफल 15,000 करोड़ रुपए के क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के बाद हुई है, जो किसी नॉन-फाइनेंशियल कॉर्पोरेट द्वारा भारत का सबसे बड़ा क्यूआईपी था।

कंपनी ने कहा कि ये डील्स दिखाती हैं कि अदाणी पोर्टफोलियो की लंबे समय के लिए घरेलू और ग्लोबल इंस्टीट्यूशनल कैपिटल के बड़े स्रोतों तक लगातार पहुंच बनी हुई है।

एएएचएल पूरे भारत में आठ एयरपोर्ट्स का मैनेजमेंट करती है और देश के कुल यात्री ट्रैफिक का 23 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा संभालती है।

# ईएसआईसी सुविधाओं के लिए आधार लिंक जरूरी, श्रम मंत्रालय का आदेश

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सरकार ने मंगलवार को घोषणा की कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के लाभार्थियों को अब सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत लाभों का निर्बाध और सुचारू रूप से लाभ उठाने के लिए अपने आधार को अपने ईएसआईसी पहचान कार्ड से लिंक करना अनिवार्य होगा।

श्रम और रोजगार मंत्रालय ने एक पोस्ट में बताया कि सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 की धारा 142 के तहत ईएसआईसी लाभार्थियों के लिए आधार प्रमाणीकरण अनिवार्य कर दिया गया है।

ईएसआईसी योजना के अंतर्गत आने वाले कारखानों और प्रतिष्ठानों में कार्यरत पात्र कर्मचारियों और उनके परिवारों को सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य देखभाल लाभ प्रदान करता है।

ईएसआईसी के अंतर्गत आमतौर पर 21,000 रुपए प्रति माह तक कमाने वाले कर्मचारी शामिल होते हैं, जबकि विकलांग व्यक्तियों के लिए वेतन सीमा 25,000 रुपए प्रति माह है।

लाभार्थी आधिकारिक ईएसआईसी वेबसाइट के माध्यम से अपने आधार को अपने ईएसआईसी रिकॉर्ड से लिंक कर सकते हैं। वेबसाइट पर जाने के बाद बीमित व्यक्तियों को बीमित व्यक्ति और लाभार्थी अनुभाग का चयन करना होगा और अपने यूजर आईडी और पासवर्ड का उपयोग करके लॉग इन करना होगा। फिर वे आईपी के लिए आधार सीडिंग विकल्प चुन सकते हैं, सूची में अपना नाम खोज सकते हैं और आधार सीडिंग के लिए लिंक का चयन कर सकते हैं।

लाभार्थी को अपना आधार नंबर डालना होगा और आधार के साथ रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर भेजे गए वन-टाइम पासवर्ड (ओटीपी) के जरिए ऑथेंटिकेशन प्रोसेस पूरी करनी होगी। रिक्वेस्ट सबमिट होने के बाद, एक रेफरेंस नंबर जनरेट होता है। वेरिफिकेशन प्रोसेस पूरी होने के बाद आधार को ईएसआईसी रिकॉर्ड्स से लिंक कर दिया जाता है।

मंत्रालय ने लाभार्थियों को सलाह दी है कि वे यह पक्का कर लें कि आधार के साथ रजिस्टर्ड उनका मोबाइल नंबर चालू और इस्तेमाल के लायक हो, क्योंकि ओटीपी-बेस्ड ऑथेंटिकेशन के लिए इसकी जरूरत होती है।

सरकार ने ईएसआईसी लाभार्थियों से कहा है कि वे सेवाओं और फायदों का आसानी से लाभ उठाने के लिए अपने पहचान कार्ड के साथ आधार सीडिंग पूरी कर लें। आधार-बेस्ड ऑथेंटिकेशन से लाभार्थियों की पहचान पक्की करने और ईएसआईसी सेवाओं तक पहुंच को आसान बनाने में भी मदद मिलने की उम्मीद है।

# इन 5 राज्यों में बिछेंगी नई रेलवे लाइनें, 14 जिलों को होगा फायदा, ₹10,783 करोड़ के प्रोजेक्ट मंजूर

केंद्र सरकार ने रेलवे के विस्तार को लेकर बड़ा फैसला लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ऑन इकोनॉमिक अफेयर्स (CCEA) ने ₹10,783 करोड़ की लागत वाले तीन मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। ये प्रोजेक्ट पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 14 जिलों से होकर गुजरेंगे।

इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद भारतीय रेलवे के नेटवर्क में करीब 656 किलोमीटर की अतिरिक्त ट्रैक क्षमता जुड़ेगी। सरकार ने इन कामों को 2029-30 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है। इससे रेलवे की मौजूदा लाइनों पर ट्रेनों की भीड़ कम होगी और यात्री व मालगाड़ियों का संचालन ज्यादा बेहतर तरीके से हो सकेगा।

कैबिनेट ने खड़गपुर-ज्हारसुगुड़ा (बागदेही) के बीच चौथी लाइन, कटनी-पेंड्रा रोड के बीच चौथी लाइन और बिलासपुर (उसलापुर)-पेंड्रा रोड के बीच तीसरी लाइन को मंजूरी दी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के मुताबिक, इन प्रोजेक्ट्स से करीब 4,790 गांवों को बेहतर रेल कनेक्टिविटी मिलेगी। इन गांवों में रहने वाली करीब 56 लाख की आबादी को इसका फायदा मिलने की उम्मीद है।

नई रेलवे लाइनें कई प्रमुख पर्यटन स्थलों की कनेक्टिविटी भी बेहतर करेंगी। इनमें बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, अमरकंटक मंदिर, अचानकमार टाइगर रिजर्व और रतनपुर महामाया मंदिर जैसे स्थान शामिल हैं। इन रेल रूट्स का इस्तेमाल कोयला, सीमेंट, लौह अयस्क और स्टील जैसी चीजों की ढुलाई के लिए भी बड़े पैमाने पर होता है। अतिरिक्त ट्रैक क्षमता से हर साल करीब 2.7 करोड़ टन अतिरिक्त माल रेलवे के जरिए ले जाने में मदद मिलेगी। सरकार के मुताबिक, ये प्रोजेक्ट पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान के तहत तैयार किए गए हैं। इनका मकसद रेलवे की क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ देश में माल ढुलाई की लागत और समय कम करना है। माल ढुलाई सड़क से रेलवे की ओर बढ़ने से करीब 12 करोड़ लीटर तेल के आयात में कमी आने का अनुमान है। इसके अलावा करीब 62 करोड़ किलोग्राम $CO_2$ उत्सर्जन कम हो सकता है।

# धमाकों से दहले सऊदी और ईरान: पश्चिम एशिया में फिर बढ़ रहा तनाव, डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कब खत्म होगा युद्ध?

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** ईरान के सरकारी प्रसारक 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग' के अनुसार, सिरिक और मिनाब काउंटी के तटीय इलाकों में बुधवार को लगातार कई धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। इन घटनाओं को लेकर होर्मोजगान प्रशासन ने बताया कि केशम में सुनी गई आवाजों का स्रोत समुद्र में पाया गया है। वहीं, आईआरआईबी ने अरब मीडिया के हवाले से बताया कि सऊदी अरब के किंग फहद एयर बेस पर भी कई धमाकों की आवाजें सुनी गईं। इसके अलावा, ईरानी समाचार एजेंसी आईआरएनए ने खबर दी कि सऊदी शहर ताइफ में भी धमाकों की आवाजें सुनी गईं। सऊदी मीडिया के हवाले से आईआरएनए ने कहा कि इलाके में कम से कम दो जोरदार धमाकों की आवाज सुनी गई है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को दावा किया कि ईरान के साथ चल रहा युद्ध आगामी अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के बाद 'तुरंत' खत्म हो जाएगा। ट्रंप ने तेहरान पर आरोप लगाया कि वह इस उम्मीद में संघर्ष को खींच रहा है कि वाशिंगटन में सत्ता परिवर्तन हो और उसे परमाणु हथियार हासिल करने का मौका मिल सके।

टेक्सास के डलास में रिपब्लिकन मध्यावधि सम्मेलन के लिए रवाना होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि मुझे लगता है कि चुनाव के तुरंत बाद युद्ध खत्म हो जाएगा। ईरान के पास अब ज्यादा विकल्प नहीं बचे हैं। क्योंकि वे अब और नहीं टिक सकते। वे चुनाव को प्रभावित करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं, ताकि वहां लोगों का एक अच्छा, कमजोर समूह सत्ता में आ सके और हम उन्हें अकेला छोड़ दें और उन्हें अपना परमाणु हथियार हासिल करने दें। वे बस परमाणु हथियार चाहते हैं और अगर उनके पास परमाणु हथियार आ गया, तो पूरी दुनिया बड़ी मुसीबत में पड़ जाएगी।

### बातचीत को लेकर ट्रंप ने दिया संकेत

जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या उन्हें उम्मीद है कि ईरान के साथ राजनयिक बातचीत फिर से शुरू होगी या सैन्य अभियान दोबारा शुरू किया जाएगा, तो उन्होंने संकेत दिया कि वाशिंगटन फिलहाल बातचीत को लेकर जल्दबाज़ी में नहीं है।

### हूतियों को ईरान का प्रॉक्सी बताने पर बघाई का पलटवार

दूसरी ओर, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने गुरुवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के उन आरोपों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि यमन के हूती विद्रोही तेहरान के प्रॉक्सी यानी प्रतिनिधि के तौर पर काम करते हैं। बघाई ने कहा कि हूती समूह स्वतंत्र रूप से काम करता है और किसी से आदेश नहीं लेता। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने अमेरिका पर अपनी सैन्य मौजूदगी और वर्चस्ववादी नीतियों के जरिए क्षेत्र में अस्थिरता फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने जोर देकर कहा कि यमन में स्थायी शांति स्थापित करने के लिए बाहरी दखलंदाजी को खत्म करना जरूरी है। बघाई ने कहा,'मार्को रुबियो के झूठ तथ्यों की जगह नहीं ले सकते। अंसारुल्लाह यमन का एक स्वतंत्र गुट है, जो अपने फैसले खुद लेता है। वह किसी से आदेश नहीं लेता और किसी का प्रॉक्सी बनकर काम नहीं करता।'

### अमेरिका से सैन्य दखल खत्म करने की मांग

मध्य पूर्व में अमेरिकी नीति की आलोचना करते हुए बघाई ने वाशिंगटन से आग्रह किया कि अगर वह क्षेत्र में वास्तविक स्थिरता चाहता है, तो उसे अपनी सैन्य भागीदारी वापस लेनी चाहिए। क्षेत्र में अस्थिरता की जड़ें अमेरिकी सैन्य दखलंदाज़ी और वर्चस्ववादी नीतियों में हैं। अगर वाशिंगटन सचमुच शांति चाहता है, तो उसे एक आसान कदम उठाना होगा। हमारे क्षेत्र में अपनी नुकसानदेह और अस्थिरता पैदा करने वाली दखलंदाज़ी को खत्म करना होगा।

# शेख हसीना की बेटी साइमा का डब्ल्यूएचओ से इस्तीफा, बांग्लादेश में जमीन धोखाधड़ी का आरोप

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की बेटी साइमा वाजेद ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के रीजनल डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया है। उन पर धोखाधड़ी के आरोप है। साइमा पिछले साल से छुट्टी पर थीं। डब्ल्यूएचओ ने उन्हें 2025 के अंत में बिना वेतन के प्रशासनिक छुट्टी पर भेज दिया था। वाजेद ने 2024 की शुरुआत में दक्षिण-पूर्व एशिया के क्षेत्रीय निदेशक का पद संभाला था।

यह पद 5 साल के लिए था। उन्हें पहली बार जुलाई 2025 में छुट्टी पर भेजा गया था। उस समय बांग्लादेश के भ्रष्टाचार विरोधी आयोग ने उनके खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोप लगाए थे। ये आरोप मार्च 2025 में दायर किए गए थे। यह आयोग शेख हसीना की जगह बनी अंतरिम सरकार के अधीन काम कर रहा था। डब्ल्यूएचओ ने यह भी आरोप लगाया कि उन्होंने बांग्लादेश में गलत तरीके से जमीन ली थी।

वाजेद अपने इस्तीफे में लिखा कि उन्होंने डब्ल्यूएचओ में आने से पहले ही वह जमीन ली थी। उन्होंने यह भी बताया कि बांग्लादेश के कानून के मुताबिक वे उस जमीन की हकदार थीं, क्योंकि यह कानून देश के स्वतंत्रता नेता शेख मुजीबुर रहमान (हसीना के पिता) के परिवार पर लागू होता है। वाजेद ने बुधवार देर रात टेड्रोस को अपने इस्तीफे के पत्र में लिखा, मुझे अपने क्षेत्र के देशों की सेवा करने के लिए क्षेत्रीय निदेशक चुना गया था। मैंने यह काम ईमानदारी से किया।

### साइमा वाजेद ने डब्ल्यूएचओ पर लगाया ये आरोप

उन्होंने आगे लिखा, 'आप मुझे अपना काम ठीक से करने नहीं दे रहे हैं इसलिए डब्ल्यूएचओ के नेतृत्व पर मेरा पूरा भरोसा खत्म हो गया है। साथ ही, आपने मुझे बिना वेतन की छुट्टी पर भेजा। लगभग एक साल से मुझे कोई सैलरी नहीं मिली। इससे मेरी आर्थिक हालत बहुत खराब हो गई है इसलिए मैं पद छोड़ने का फैसला कर रही हूं। डब्ल्यूएचओ ने अभी तक कोई जवाब नहीं दिया। पिछले महीने डब्ल्यूएचओ ने सिर्फ इतना कहा था कि वाजेद छुट्टी पर हैं।

# ट्रंप ने रिपब्लिकन की जीत पर हर वयस्क को $5,000 देने का किया वादा

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** एक तरफ यूपी में 2027 के विधानसभा चुनावों को देखते हुए योगी आदित्यनाथ और अखिलेश यादव लोक-लुभावन घोषणाओं के जरिए जनता के लिए 'खजाना' खोल रहे हैं, वहीं अमेरिका में नवंबर में होने वाले मिडटर्म चुनाव से पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा चुनावी दांव चला है। उन्होंने कहा कि अगर रिपब्लिकन पार्टी आगामी चुनाव में हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट, दोनों में जीतती है, तो हर वयस्क अमेरिकी नागरिक को करीब 5 लाख रुपये दिए जाएंगे। रिपब्लिकन पार्टी ने बुधवार, 9 सितंबर को टेक्सास के डलास में अपना पहला मिडटर्म इलेक्शन कैंपेन शुरू किया। ट्रंप ने इस दौरान अमेरिकी नागरिकों को 5,000 डॉलर (4.176 लाख रुपये) देने का वादा किया।

ट्रंप ने कहा कि देश की मजबूत आर्थिक स्थिति और आर्थिक सफलता के कारण वह यह रकम देंगे। उन्होंने इस योजना को ट्रंप डिविडेंड नाम दिया। उन्होंने इस डिविडेंड के साथ एक शर्त भी रखी। उन्होंने कहा कि यह पैसा अमेरिका में ही खर्च करना होगा। उन्होंने कहा कि वह नहीं चाहते कि लोग यह पैसा लेकर कनाडा, चीन या जर्मनी जाकर खर्च करें। हालांकि, ट्रंप ने यह नहीं बताया कि यह पैसा पाने के लिए लोगों को किन शर्तों को पूरा करना होगा। यह भी साफ नहीं है कि सरकार इसे किस तरीके से लोगों तक पहुंचाएगी।

### योजना में कुल कितनी रकम खर्च होगी?

अनुमान के मुताबिक, दुनिया भर में करीब 24.15 करोड़ वयस्क अमेरिकी नागरिक हैं। न्यूजवीक के मुताबिक, अगर सभी को 5,000 डॉलर दिए जाते हैं, तो इस योजना पर करीब 1.122 ट्रिलियन डॉलर (करीब 116 लाख करोड़ रुपये) खर्च हो सकते हैं। हालांकि, ट्रंप ने अपने बयान में अमेरिका में रहने वाले वयस्क नागरिकों की बात कही है। ऐसे में विदेशों में रहने वाले करीब 20 लाख अमेरिकी नागरिक इस योजना से बाहर हो सकते हैं।

फिलहाल इस प्रस्ताव की और कोई जानकारी सामने नहीं आई है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि सरकार यह कैसे जांचेगी कि डिविडेंड का पैसा सिर्फ अमेरिका में ही खर्च हुआ है। साथ ही, यह भी साफ नहीं है कि उम्र के अलावा आय या किसी दूसरी योग्यता को इस योजना में शामिल किया जाएगा या नहीं।

### चुनाव के बाद जंग खत्म: ट्रंप

ट्रंप ने कहा है कि उन्हें लगता है कि ईरान के साथ युद्ध नवंबर में होने वाले मिड-टर्म चुनावों के तुरंत बाद खत्म हो जाएगा। ट्रंप के मुताबिक, 'ईरान की लीडरशिप इन चुनावों पर असर डालने की कोशिश करने के लिए बेताब है।' ट्रंप ने स्पष्ट किया कि वह निकट भविष्य में ईरान के साथ किसी भी तरह की बातचीत करने के बारे में नहीं सोच रहे हैं।

# हमें ए आई का सकारात्मक प्रयोग करना चाहिए: राणा यशवंत

## >> आसान नहीं है सच के साथ खड़े रहना: प्रो.संजय द्विवेदी >> आबू रोड में तीन दिवसीय राष्ट्रीय मीडिया महासम्मेलन का भव्य शुभारंभ

» देश भर से लगभग 2000 से अधिक मीडियाकर्मी हैं सहभागी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** मानसरोवर आबू रोड। प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की भगिनी संस्था राजयोग एज्युकेशन एण्ड रिसर्च फाउंडेशन के मीडिया एवं पी आर विंग द्वारा राष्ट्रीय मीडिया महा सम्मेलन का आज आबू रोड स्थित मानसरोवर के दिव्य शक्ति अनुभूति हॉल में श्रेष्ठ विश्व के निर्माण हेतु सशक्त मीडिया विषय पर भव्य शुभारंभ समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्व विद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. डॉ. मान सिंह परमार, नई दिल्ली से भारत न्यूज़ नेटवर्क के सीईओ डॉ. सरफराज सैफी, न्यूज़ इंडिया टीवी के एडिटर इन चीफ राणा यशवंत, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रो.संजय द्विवेदी, मीडिया एवं पीआर विंग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजयोगी बीके करुणा भाई, राष्ट्रीय उपाध्यक्षा बीके सरला बहन, राष्ट्रीय संयोजक बी के निकुंज भाई, जयपुर से ब्रह्माकुमारीज सबजोन इंचार्ज बीके सुषमा दीदी, मीडिया विंग की जोनल कॉर्डिनेटर बहन बीके चंद्रकला उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में अध्यक्षीय संबोधन में राजयोगी बीके करुणा ने कहा कि भारत विश्व गुरु बने इसके लिए हम सबको मिलकर कार्य करना चाहिए। पूर्व कुलपति डॉ. मान सिंह परमार ने कहा कि पूरे विश्व में जब हम श्रेष्ठ विश्व की बात करते हैं तो हम देखते हैं कि इस समय विश्व कि हालात क्या हैं। हमें शांति, एकता, विश्वास की भावना के साथ ऐसा विश्व चाहिए जो मनुष्य को मनुष्य से जोड़ सके। उन्होंने पुरजोर अंदाज में कहा कि भारत के संविधान में भी विश्व बंधुत्व की बात कही गई है, भारत की संस्कृति, बहुत प्राचीन संस्कृति रही है। वहीँ सर्वे भवन्तुः सुखिनाः के तर्ज पर हमें अपनी मूल भावना को सबके सामने रखना होगा।

प्रख्यात एंकर डॉ. सरफराज सैफी ने कहा कि यह हमारी खुशनसीबी है कि मैं ब्रह्माकुमारीज संस्थान में दूसरी बार आया हूँ। मैंने यहां से बहुत कुछ सीखा है, मैं यह दावे के साथ कहा सकता हूँ कि 1500 से अधिक पत्रकार दो दशक में पहली बार किसी कार्यक्रम में एक मंच के नीचे बैठे है, यह हमारे लिए बड़े ही गौरव की बात है। आज हम कई बार वायरल पोस्ट को सच मान लेते है लेकिन उसकी पड़ताल नहीं करते हैं। श्री शैफी ने कहा कि हम अंदर से ब्रांडेड तब बनेंगे जब हम सभी धर्म के सिद्धांतों का पालन करेंगे। आज के समय में हम सबको बहुत सकारात्मक होने की जरुरत है, ब्रह्माकुमारीज इस दिशा में अच्छा काम कर रही है।

### साइबर युद्ध का खतरा

कार्यक्रम में राणा यशवंत ने अपने उद्बोधन में एआई के बारे में उदाहरण देते हुए बताया कि ए आई आज हमारे लिए कई विषयों में सहायक की भूमिका अदा कर रहा है लेकिन एआई के द्वारा पूरी दुनिया में एक ऐसी ताकत तैयार करने की होड़ चल रही है जो इंसान की पकड़ से बाहर होगा। आज की तारीख़ में कई देश सायबर युद्ध की दिशा में आगे बढ़ रहे है, वहीं मनुष्य की बेसिक जरुरत क्या है इसके बारे में कोई विचार नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह साइंस और टेक्नोलॉजी के दौर में हम सभी एक बहुत ख़तरनाक मोड़ पर खड़े है इसकी भनक हमें नहीं है तो हम धोखे में है। उन्होंने कहा कि भारत हर मामले में दूसरे देशों से कमतर साबित न हो इसके लिए हमें और सजग होने की आवश्यकता है।

### भरोसा बनाए मीडिया

इस मौके पर प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि यह अध्यात्म की भूमि है, ईश्वर ने इस जगह का चयन किया है तो जरूर यहाँ कुछ खास है। पत्रकारिता को आज साहस और अध्यात्म की जरुरत है। हमारी पत्रकारिता की जो भाव भूमि है वह ध्येयनिष्ठ पत्रकारिता है। आज प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्व विद्यालय के 25 विंग संचालित हो रहे हैं, जो २४ घंटे एक्टिव है और उच्च पत्रकारिता के लिए अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन बखूबी कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जहाँ पर संवाद नहीं होगा तो विवाद होंगे, लेकिन हम संवाद के माध्यम से अपनी हर समस्या का समाधान कर सकते हैं। लोगों को मनुष्य बनाने की आवश्यकता है, आदमी से इंसान बनने का एक प्रोसेस है। उन्होंने कहा कि मीडिया की पहली चीज भरोसा है, भरोसा तब बनता है जब आप सच के साथ खड़े होते हैं। नित्य जीवन में सच पर खड़े रहना आसान नहीं है। हमें धर्म के मार्ग पर चलना पड़ेगा। कार्यक्रम में बीके निकुंज भाई ने भी सकारात्मक विचार रखे एवं पधारे सभी अतिथियों का अभिन्दन भी किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन बीके चंद्रकला बहन ने किया।

# अक्षय कुमार और सैफ अली खान की 'हैवान' को मिला यूए 16+ प्रमाणपत्र, 11 सितंबर को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

निर्देशक प्रियदर्शन की बहुप्रतीक्षित सस्पेंस अपराध-रोमांचक फिल्म 'हैवान' अब प्रदर्शन के लिए तैयार है। अक्षय कुमार और सैफ अली खान अभिनीत इस फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ने 'यूए 16+' प्रमाणपत्र दिया है। इसका मतलब है कि 16 वर्ष से कम उम्र के दर्शकों के लिए फिल्म देखने पर अभिभावकीय मार्गदर्शन आवश्यक होगा।

फिल्म का निर्माण केवीएन प्रोडक्शन ने किया है। निर्माताओं की ओर से फिल्म को प्रमाणन के लिए केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के समक्ष पेश किया गया था, जहां जांच के बाद इसे प्रदर्शन की मंजूरी दे दी गई।

फिल्म समीक्षक तरण आदर्श की ओर से साझा की गई जानकारी के मुताबिक, 'हैवान' को 'यूए 16+' प्रमाणपत्र के साथ मंजूरी मिली है। फिल्म की कुल अवधि 164 मिनट 7 सेकंड, यानी करीब 2 घंटे 44 मिनट 7 सेकंड है।

फिल्म की कहानी अपराध, रहस्य और रोमांच से भरपूर बताई जा रही है। इसमें अक्षय कुमार और सैफ अली खान पहली बार एक अलग तरह के किरदारों में नजर आने वाले हैं।

'हैवान' में अक्षय कुमार एक मनोरोगी हत्यारे की भूमिका निभा रहे हैं। उनका किरदार फिल्म की कहानी में रहस्य और रोमांच को बढ़ाने वाला है। वहीं सैफ अली खान एक दृष्टिहीन मार्शल आर्ट प्रशिक्षित व्यक्ति के किरदार में दिखाई देंगे।

सैफ के किरदार पर एक छोटी बच्ची की परवरिश की जिम्मेदारी है। कहानी में बच्ची और उसके इर्द-गिर्द पैदा होने वाली परिस्थितियां दोनों मुख्य किरदारों के बीच संघर्ष को महत्वपूर्ण मोड़ देती हैं।

फिल्म में अक्षय कुमार और सैफ अली खान के अलावा बोमन ईरानी, सैयामी खेर और श्रिया पिलगांवकर भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी इस फिल्म से दर्शकों को अपराध और रोमांच से भरपूर कहानी की उम्मीद है।

'हैवान' 11 सितंबर को देशभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। फिल्म को 16 वर्ष से अधिक उम्र के दर्शकों के लिए प्रमाणित किए जाने के बाद अब इसके प्रदर्शन का रास्ता साफ हो गया है। अक्षय कुमार और सैफ अली खान के अलग तरह के किरदारों के कारण फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बनी हुई है।

# पूनम पांडे ने सिल्वर शिमरी गाउन में ढाया कहर, बोल्ड लुक ने इंटरनेट पर मचाई सनसनी

बॉलीवुड और मॉडलिंग की दुनिया में अपने बेबाक अंदाज और बोल्ड फैशन सेंस के लिए जानी जाने वाली पूनम पांडे अक्सर अपनी बोल्ड तस्वीरों से इंटरनेट पर तहलका मचा देती हैं। हाल ही में पूनम पांडे ने अपने नए फोटोशूट की बेहद हॉट और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं।

तस्वीरों में पूनम पांडे बेहद खूबसूरत और सिजलिंग सिल्वर शिमरी स्ट्रैपलेस गाउन पहने नजर आ रही हैं। यह ड्रेस पूरी तरह से सेक्विन और मैटेलिक शिमर वर्क से सजी हुई है, जो लाइट की रोशनी में जबरदस्त स्पार्कल इफेक्ट दे रही है।

ड्रेस का अपर हाफ ट्यूब/स्ट्रैपलेस पैटर्न में है, जिसमें प्लंजिंग नेकलाइन और बस्ट एरिया पर बारीक क्रिस्टल एम्ब्रॉइडेरी का काम किया गया है। गाउन में दिया गया हाई-थाई स्लिट पूनम के टोंड लेग्स को खूबसूरती से फ्लॉन्ट कर रहा है और उनके ओवरऑल लुक में एक बोल्ड तड़का लगा रहा है।

इस स्टनिंग सिल्वर आउटफिट के साथ पूनम ने एक्सेसरीज को मिनिमल रखा है। उन्होंने गले में एक बारीक सिंगल-लाइन डायमंड चोकर नेकलेस और कानों में मैचिंग डायमंड ड्रॉप इयररिंग्स पहने हैं। इसके अलावा उंगलियों में पहनी गई डायमंड रिंग्स उनके लुक को एक रॉयल और एलिगेंट टच देती हैं।

मेकअप के मामले में पूनम ने ट्रेंडिंग सॉफ्ट न्यूड ग्लैम लुक को चुना है। हाइलाइटेड चीकबोन्स और फ्लॉलेस बेस, उनकी स्किन को एकदम ग्लोइंग बना रहा है। उन्होंने अपने बालों को साइड-पार्टिंग के साथ सॉफ्ट वेवी कर्ल्स में खुला छोड़ा है।

तस्वीरों में पूनम का कॉन्फिडेंस और उनके फेशियल एक्सप्रेशन देखने लायक हैं। कभी बंद आंखों से कैमरे के सामने सिसलिंग पोज देना, तो कभी कैमरे में सीधी और तीखी नजरों से देखना—हर एक फ्रेम में पूनम का कातिलाना अंदाज साफ नजर आ रहा है।

# सूर्या की फिल्म विश्वनाथ एंड संस की ओटीटी रिलीज तारीख का हुआ ऐलान, 11 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर देगी दस्तक

निर्देशक वेंकी अटलुरी की फिल्म विश्वनाथ एंड संस बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन जारी रखे हुए है। साउथ सुपरस्टार सूर्या और मामिता बैजू फिल्म में मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म बीती 14 अगस्त को रिलीज हुई थी। सिनेमाघरों में 25 दिन पूरे करने के बाद फिल्म निर्माताओं ने बीते सोमवार को घोषणा की कि इसने वर्ल्डवाइड 260 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है। बता दें, फिल्म की अनुमानित बजट 100 से 130 करोड़ रुपये है।

सिनेमाघरों में सफल प्रदर्शन के बाद, फिल्म अब ओटीटी पर रिलीज होने के लिए तैयार है। नेटफ्लिक्स ने घोषणा की कि विश्वनाथ एंड संस स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर शुक्रवार 11 सितंबर को प्रीमियर होगी।

यह फिल्म तमिल, हिंदी, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषा में स्ट्रीमिंग होगी। ओटीटी पर रिलीज की घोषणा करते हुए नेटफ्लिक्स ने लिखा, मिलिए संजय विश्वनाथ से- एथलीट, अरबपति, परोपकारी और एक प्यार करने वाले पिता।

सूर्या की इस फिल्म को थिएटर्स में शानदार रिस्पॉन्स मिला है। यही वजह है कि विश्वनाथ एंड संस ने दुनिया भर में 250 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। यह फिल्म सूर्या की साल 2026 की दूसरी 250 करोड़ आंकड़ा पार करने वाली फिल्म बन गई है। पहली फिल्म करप्पू थी, जिसने दुनिया भर में 300 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की। विश्वनाथ एंड संस के साथ, सूर्या ने अब एक ही साल में दो ऐसी फिल्में दी है, जिन्होंने वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर 250 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है।

विश्वनाथ एंड संस फिल्म संजय विश्वनाथ की कहानी है, जिसका किरदार सूर्या ने निभाया है। संजय विश्वनाथ एक कुशल निशानेबाज है, जिसने अपना अधिकांश जीवन सफलता हासिल करने में बिताया है। हालांकि, उम्र, पारिवारिक जिम्मेदारियों और एक अप्रत्याशित प्रेम कहानी से जूझते हुए उसकी दुनिया में बदलाव आने लगते हैं।

सूर्या का किरदार कुछ हद तक संजय रामास्वामी के किरदार की याद दिलाता है, जिसे उन्होंने 2005 की साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म गजनी में निभाया था। यह समानता फिल्म में एक और बात जोड़ती है, खासकर उन दर्शकों के लिए जो सूर्या के सबसे यादगार कामों को जानते हैं।

फिल्म में ममिता बैजू सूर्या की प्रेमिका की भूमिका निभा रही हैं। दिलचस्प बात यह है कि विश्वनाथ एंड संस ममिता की हाल ही में रिलीज हुई दो फिल्मों में से एक है जो उम्र के अंतर वाले रोमांस को दर्शाती है। दूसरी फिल्म बेथलहम कुडुम्बा यूनिट है, जिसका निर्देशन प्रेमलू फेम गिरीश एडी ने किया है और इसमें निविन पॉली सह-कलाकार हैं।

इस फिल्म में दिग्गज अभिनेत्री राधिका सरथकुमार, रवीना टंडन और अन्य कलाकार भी हैं। रवीना टंडन के लिए विश्वनाथ एंड संस लंबे अंतराल के बाद तमिल सिनेमा में वापसी की ओर इशारा करती है। अभिनेत्री पिछली बार 2001 में रिलीज हुई कमल हासन की फिल्म आलवंधन में तमिल सिनेमा में नजर आई थीं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com